क्षितिज

वर्ष 2018.19

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण
परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

अनुक्रमणिका

क्र0सं0		पृ0सं0
1.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	1
2.	एस0सी0ई0आर0टी0 : संगठनात्मक ढांचा	2
3.	परिषद की अधीनस्थ इकाईयाँ एवं उनके कार्य	3-9
4.	परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज	10-11
5.	एस0सी0ई0आर0टी0 के नियमित कार्य	12
6.	सेवापूर्व शिक्षक-प्रशिक्षण	13-14
7.	सेवारत शिक्षक-प्रशिक्षण	15
8.	प्रमुख सेवारत प्रशिक्षण व अन्य कार्य	16-20
9.	शिक्षण में आई0सी0टी0 के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु प्रयास	21-22
10.	विभिन्न प्रतियोगिताएं	23-25
11.	शिक्षण सम्बन्धी परिणाम **(Learning Outcome)**	**26-34**
12.	शिक्षक-शिक्षा एवं कक्षा-शिक्षण के स्तरोननयन की ओर कदम	35-37
13.	सर्वेक्षण	38-39
14.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिसर लखनऊ में कार्यरत जनशक्ति	40

उत्तर प्रदेश - एक दृष्टि में

क्षेत्रफल	240928 वर्ग की.मी.		
जनसंख्या	19.981234		
साक्षरता दर	कुल	महिला	पुरुष
भारत	74.04%	65.46%	82.14%
उत्तर प्रदेश	69.72%	59.30%	79.20%
मण्डल	18		
जनपद	75		
विकास खण्ड (BRC)	880		
न्याय पंचायन संसाधन केन्द्र (NPRC)	8249		
विद्यालयों की संख्या			
प्राथमिक विद्यालय	113249 (वर्ष 2016–17 में 113249)		
उच्च प्राथमिक विद्यालय	45590 (वर्ष 2016–17 में 45701)		
राजकीय हाईस्कूल	1486		
राजकीय इंटर कॉलेज	790		
के0जी0बी0वी0	746		
शिक्षकों की संख्या			
प्राथमिक विद्यालय	265407 (वर्ष 2016–17 में 399273)		
उच्च प्राथमिक विद्यालय	134317 (वर्ष 2016–17 में 164390)		
राजकीय हाईस्कूल	1486		
राजकीय इंटर कॉलेज	790		
शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थान			
	प्रशिक्षण का नाम	संस्थानों की संख्या	सीट संख्या
जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान + सी0टी0ई0 (वाराणसी)	डी0एल0एड0	70 + 1	10600
राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा / प्रयागराज	सी0टी0 (नर्सरी)	2	64
राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रामपुर / प्रयागराज	डी0पी0एड0	2	100

बेसिक शिक्षा विभाग

- बेसिक शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज एवं शिविर कार्यालय, लखनऊ
  - उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0, प्रयागराज
  - प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय
  - पाठ्यपुस्तक कार्यालय, उ0प्र0, लखनऊ
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0, लखनऊ
  - प्रारम्भिक शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालय
  - पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक विकास से जुड़ी इकाइयाँ
  - उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (आई0ए0एस0ई0)
  - कॉलेज ऑफ टीचर एजूकेशन (सी0टी0ई0)
- साक्षरता, वैकल्पिक शिक्षा, उर्दू एवं प्राच्य भाषाएँ
- मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

प्रदेश में विद्यालयी-शिक्षा हेतु पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तकों के विकास, शिक्षकों के प्रशिक्षण, शैक्षिक मूल्यांकन, शोध तथा नवाचारों के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (State Council of Educational Research & Training [SCERT]) की स्थापना वर्ष 1981 में की गयी थी। परिषद का मुख्यालय प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित है। परिषद द्वारा अपने कार्यों का संपादन अपनी विभिन्न इकाईयों एवं जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से किया जाता है। परिषद के मुख्य कार्य निम्नवत् हैंः-

- प्रारम्भिक स्तरीय शिक्षकों के लिए सेवापूर्व एवं सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
- प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम, पाठयपुस्तकों, शिक्षक-संदर्शिकाओं एवं अन्य उपयोगी साहित्य का विकास।
- शोध, सर्वेक्षण एवं नवाचार कार्यक्रमों का संचालन।
- शिक्षक-प्रशिक्षकों तथा शैक्षिक प्रशासकों का क्षमता संवर्द्धन।
- उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन।
- निजी संस्थानों को डी0एल0एड0 (पूर्व नाम बी0टी0सी0)/एन0टी0टी0 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालन हेतु सम्बद्धता प्रदान करना।
- उत्तर प्रदेश निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली 2011 के भाग-7 धारा-29 के प्रयोजनार्थ शिक्षा के लिए पाठ्यचर्या एवं मूल्यांकन का निर्धारण करना।

एस0सी0ई0आर0टी0: वर्तमान परिप्रेक्ष्य में-

शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के सन्दर्भ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी नियमावली में उत्तर प्रदेश में एस0सी0ई0आर0टी0 को 'अकादमिक प्राधिकारी' घोषित किया गया है। उक्त परिप्रेक्ष्य में परिषद की भूमिका अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हो गयी है। परिषद द्वारा सेवापूर्व एवं सेवारत प्रशिक्षण के साथ-साथ शैक्षिक शोध, सर्वेक्षण, अधिगम सम्प्राप्ति आधारित सर्वेक्षण आदि कराये जाते हैं। 'समग्र शिक्षा अभियान' योजनान्तर्गत परिषद का कार्यक्षेत्र माध्यमिक शिक्षा तक विस्तारित हो गया है। राष्ट्रीय एवं राज्य की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करने हेतु एस0सी0ई0आर0टी0 सतत् रूप से तत्पर है।

एस0सी0ई0आर0टी0 : संगठनात्मक संरचना

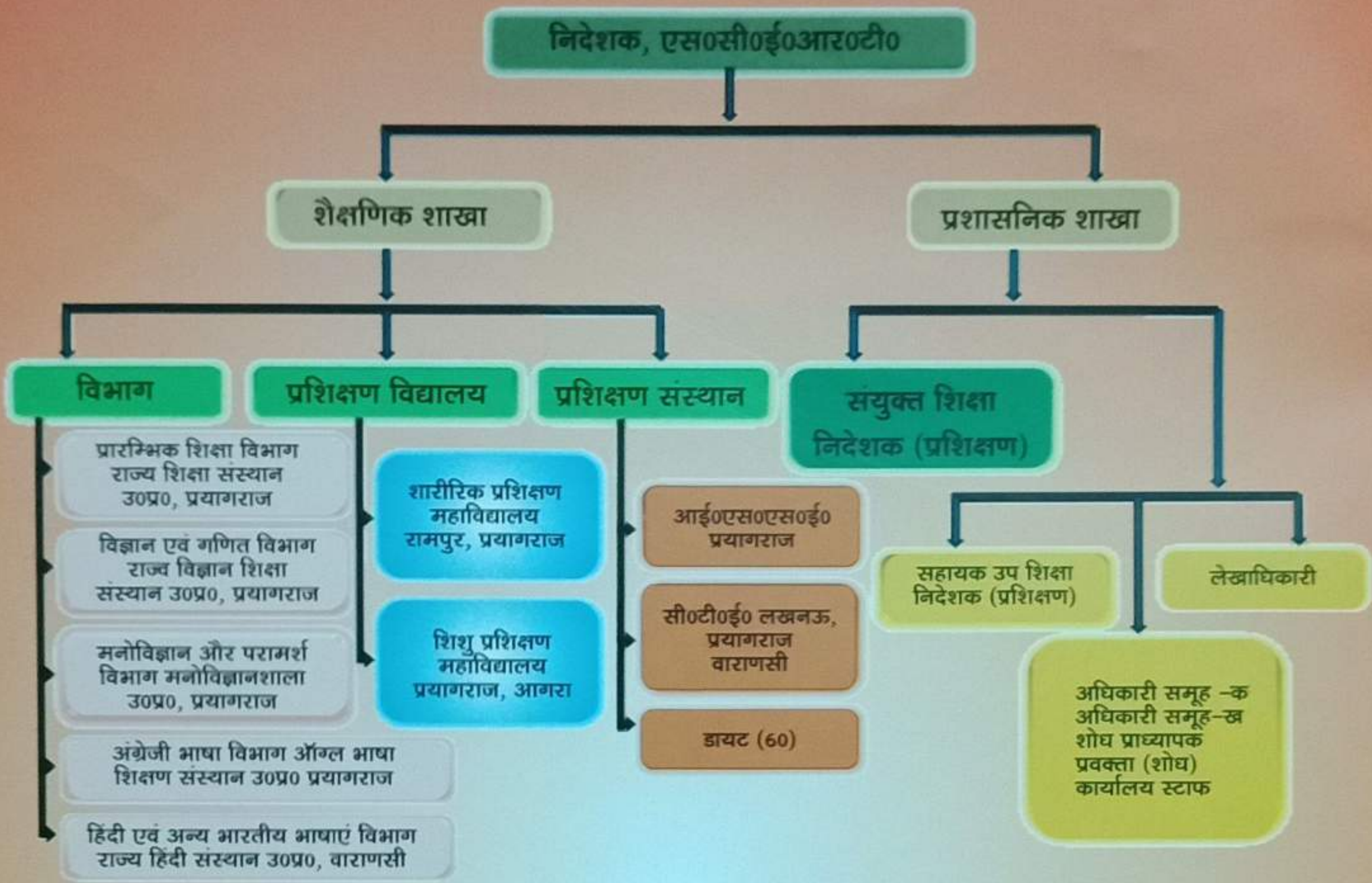

एस0सी0ई0आर0टी0 के स्वीकृत शैक्षिक पदों का विवरण-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम (रू0)	स्वीकृत पद	सातवें वेतनमान के अनुसार वेतन
1	निदेशक	37400–67000 (ग्रे0पे0 10000)	1	144200–218200
2	संयुक्त शिक्षा निदेशक (प्रशिक्षण)	15600–39100 (ग्रे0पे0 7600)	1	78800–209200
3	उप शिक्षा निदेशक	15600–39100 (ग्रे0पे0 6600)	1	67700–208700
4	सहायक शिक्षा निदेशक	15600–39100 (ग्रे0पे0 6600)	1	67700–208700
5	सहायक उप शिक्षा निदेशक (प्रशिक्षण)	15600–39100 (ग्रे0पे0 5400)	1	56100–177500
6	वित्त एवं लेखाधिकारी	15600–39100 (ग्रे0पे0 5400)	1	56100–177500
7	सहायक उप शिक्षा निदेशक	15600–39100 (ग्रे0पे0 5400)	7	56100–177500
8	विधि अधिकारी (समूह ख)	15600–39100 (ग्रे0पे0 5400)	2	56100–177500
9	शोध प्राध्यापक	15600–39100 (ग्रे0पे0 5400)	4	56100–177500
10	प्रवक्ता (शोध)	9300–34800 (ग्रे0पे0 4800)	6	47600–151100
		योग	25	

परिषद की अधीनस्थ इकाईयाँ एवं उनके कार्य

- **उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (आई0ए0एस0ई0), उ0प्र0, प्रयागराज-** केन्द्र पुरोनिधानित शिक्षक-शिक्षा योजनान्तर्गत राजकीय सी0पी0आई0, इलाहाबाद को वर्ष-1985 में उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज एन एजूकेशन) के रूप में उच्चीकृत किया गया। आई0ए0एस0ई0 के मुख्य कार्य माध्यमिक शिक्षक-प्रशिक्षकों, माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, माध्यमिक विद्यालयों के निरीक्षकों तथा डायट के प्रशासनिक और शैक्षिक संवर्ग के संकाय सदस्यों हेतु सेवारत् प्रशिक्षण एवं माध्यमिक स्तर के शिक्षकों हेतु विषय आधारित तथा शिक्षण कौशल दक्षता आधारित प्रशिक्षण एवं डायट तथा सी0टी0ई0 को अकादमिक मार्गदशन प्रदान करना है। उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, प्रयागराज में स्वीकृत शैक्षिक पदों का विवरण निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	प्राचार्य	रू0 15600–39100, ग्रे0पे0 8700	1	118500–214100
2.	प्रोफेसर	रू0 15600–39100, ग्रे0पे0 7600	2	78800–205200
3.	रीडर	रू0 15600–39100, ग्रे0पे0 6600	6	67700–208700
4.	प्रवक्ता समूह''ख''	रू0 15600–39100, ग्रे0पे0 5400	18	56100–177500
5.	अनुदेशक	रू0 9300–34800, ग्रे0पे0 4600	5	44900–142400
		योग	32	

- **कॉलेज ऑफ टीचर एजूकेशन लखनऊ, प्रयागराज एवं वाराणसी-** केन्द्र पुरोनिधानित योजनान्तर्गत राजकीय रचनात्मक महाविद्यालय, लखनऊ, राजकीय महिला गृहविज्ञान प्रशिक्षण महाविद्यालय, प्रयागराज तथा राजकीय बेसिक ट्रेनिंग कॉलेज, वाराणसी को ''कॉलेज ऑफ टीचर एजूकेशन'' (सी0टी0ई0) के रूप में उच्चीकृत करने की स्वीकृति भारत सरकार द्वारा वर्ष-2000 में प्रदान की गयी। सी0टी0ई0 के प्रमुख कार्य माध्यमिक स्तर के अध्यापकों हेतु सेवापूर्व प्रशिक्षण, माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु विषय आधारित एवं शिक्षण कौशल दक्षता आधारित प्रशिक्षण की व्यवस्था आदि हैं। सी0टी0ई0, वाराणसी में एन0सी0टी0ई0 से दो वर्षीय डी0एल0एड0 प्रशिक्षण संचालन हेतु 50 सीटों की मान्यता प्राप्त है, सम्प्रति सी0टी0ई0, वाराणसी में डी0एल0एड0 प्रशिक्षण गतिमान है। प्रत्येक कालेज ऑफ टीचर एजूकेशन में 01 प्राचार्य, 03 रीडर, 13 प्रवक्ता तथा 05 अनुदेशक के पद स्वीकृत हैं। सी0टी0ई0, लखनऊ/प्रयागराज/वाराणसी में स्वीकृत शैक्षिक पदों का विवरण निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद (3 सी0टी0ई0)	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	प्राचार्य	रू0 15600–39100, ग्रे0पे0 7600	3	78800–205200
2.	रीडर	रू0 15600–39100, ग्रे0पे0 6600	9	67700–208700
3.	प्रवक्ता समूह''ख''	रू0 15600–39100, ग्रे0पे0 5400	39	56100–177500
4.	अनुदेशक	रू0 9300–34800, ग्रे0पे0 4600	15	44900–142400
		योग	66	

- **राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, प्रयागराज-** इस संस्थान का मुख्य कार्य कक्षा 6 से 8 की विज्ञान, गणित और कृषि की पाठ्यपुस्तकें तैयार करना, विज्ञान और गणित के क्षेत्र में प्रशिक्षण, शोध अध्ययन, सर्वेक्षण, कार्यशालाएं, विज्ञान संगोष्ठी तथा अन्य वैज्ञानिक क्रियाकलापों के माध्यम से विज्ञान और गणित को सरल, रोचक, बोधगम्य व प्रभावी बनाने की युक्तियों का विकास करना तथा प्रतिवर्ष विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करना है। राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, प्रयागराज में स्वीकृत शैक्षिक पदों की संख्या निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	निदेशक	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 7600	1	78800–209200
2.	वरिष्ठ प्रोफेसर	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 6600	4	67700–208700
3.	प्रोफसर समूह''ख''	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	5	56100–177500
4.	प्रवक्ता राजपत्रित	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 5400	9	56100–177500
		योग	19	

- **राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, प्रयागराज-** संस्थान द्वारा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर का पाठ्यक्रम तैयार किया जाता है तथा समय-समय पर पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण एवं संशोधन किया जाता है। विकसित पाठ्यक्रम के आधार पर राज्य शिक्षा संस्थान द्वारा कक्षा 1 से 5 की हिन्दी, गणित, पर्यावरण अध्ययन, संस्कृत तथा कक्षा 6 से 8 की सामाजिक अध्ययन, गृह शिल्प, स्काउट गाइड, पर्यावरण अध्ययन, खेल एवं स्वास्थ्य तथा महान व्यक्तित्व पाठ्यपुस्तकों का लेखन एवं पुनरीक्षण किया जाता है। प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करना, शोध/अध्ययन तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन आदि भी संस्थान के कार्य है। इसके साथ-साथ राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज द्वारा दो वर्षीय डी0एल0एड0 पाठ्यक्रम एवं पाठ्यक्रम पर आधारित पाठ्यवस्तु का विकास, पुनरीक्षण एवं संशोधन तथा सी0टी0 (नर्सरी), एन0टी0टी0 और डी0पी0एड0 पाठ्यक्रम का विकास, पुनरीक्षण एवं संशोधन भी किया जाता हे। राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज में स्वीकृत शैक्षिक पदों की संख्या निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	प्राचार्य	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 6600	1	67700–208700
2.	सहयुक्त निदेशक	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 6600	1	67700–288700
3.	सहायक उप शिक्षा निदेशक, (पत्राचार)	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	4	56100–177500
4.	वरिष्ठ शोध प्राध्यापक	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100–177500
5.	शोध प्राध्यापक	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	6	56100–177500
6.	प्रवक्ता	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4800	20	47600–151100
		योग	34	

- **मनोविज्ञानशाला, उ0प्र0, प्रयागराज-** विद्यालयी बालक-बालिकाओं की विभिन्न प्रकार की मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान हेतु मनोवैज्ञानिक परीक्षण करने सम्बन्धी शिक्षण सामग्री का विकास तथा निदानात्मक परीक्षण एवं निर्देशन, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज, राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन आदि इस संस्थान के प्रमुख कार्य हैं। इसके अतिरिक्त मनोविज्ञानशाला द्वारा 09 माह का डी0जी0पी0 (डिप्लोमा इन गाइडेन्स एण्ड साइकोलॉजी) प्रशिक्षण का संचालित किया जाता है। इसमें 15 सीटें निर्धारित हैं। शिक्षा शास्त्र, मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर एवं एम0एड0 में न्यूनतम द्वितीय श्रेणी उपाधिधारी इस कोर्स में आवेदन हेतु पात्र होते हैं। चयन मेरिट के आधार पर चयन समिति द्वारा किया जाता है। प्रशिक्षणार्थियों को व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पक्षों, निर्देशन तथा अधिगम प्रक्रिया के सन्दर्भों से परिचित कराया जाता है। मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज में स्वीकृत शैक्षिक पदों की संख्या निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	निदेशक	रू0 15600—39100, ग्रे0पे0 6600	1	67700—208700
2.	वरिष्ठ शोध मनोवैज्ञानिक, श्रेणी''क''	रू0 15600—39100 ग्रे0पे0 6600	2	67700—208700
3.	मनोवैज्ञानिक श्रेणी,''ख''	रू0 15600—39100 ग्रे0पे0 5400	3	56100—177500
4.	प्रवक्ता	रू0 9300—34800 ग्रे0पे0 4800	17	47600—151100
		योग	23	

- **राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी-** हिन्दी एवं संस्कृत भाषा की पाठ्यपुस्तकों/सहायक पुस्तकों का विकास, हिन्दी शिक्षण की नवीनतम तकनीकों से शिक्षकों को परिचित कराना, हिन्दी व संस्कृत भाषा से सम्बन्धित विभिन्न शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं का आयोजन एवं शोध आदि इस संस्थान के प्रमुख कार्य हैं। राज्य हिन्दी संस्थान, वाराणसी में स्वीकृत शैक्षिक पदों की संख्या निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	निदेशक	रू0 15600—39100 ग्रे0पे0 6600	1	67700—208700
2.	सहायक निदेशक	रू0 15600—39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100—177500
3.	प्रका0 प्रशि एवं शोध अधिकारी	रू0 15600—39100 ग्रे0पे0 5400	2	56100—177500
4.	प्रवक्ता	रू0 9300—34800 ग्रे0पे0 4800	6	47600—151100
		योग	10	

- **राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान, उ0प्र0, लखनऊ-** प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के पाठ्यक्रम से सम्बन्धित शैक्षिक वीडियो/सीडी का निर्माण तथा शैक्षिक तकनीकी से सम्बन्धित विविध कार्य इस संस्थान द्वारा किये जाते हैं। राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान, उ0प्र0, लखनऊ में स्वीकृत पदों की संख्या निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	सादृश्य वेतनमान	ग्रेड वेतन	स्वीकृत पद
1	निदेशक	118500—214100	8700	1
2	डिप्टी प्रोडक्शन इंचार्ज	67700—191000	6600	1
3	प्रशासनिक अधिकारी	56100—157700	5400	1
4	प्रोड्यूसर	56100—157700	5400	2
5	प्रवक्ता उत्पादन	56100—157700	5400	2
6	सीनियर ग्राफिक एवं चीफ विजुएलाइजर	44900—130400	4600	1
7	लेखाकार	35400—102800	4200	1
8	इंजीनियरिंग असिस्टेंट	35400—102800	4200	2
9	कैमरामैन	35400—102800	4200	3
10	सीनिक डिजाइनर	35400—102800	4200	1
11	ग्राफिक आर्टिस्ट	35400—102800	4200	1
12	एडीटर वीडियो	35400—102800	4200	1
		कुल		17

- **आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान, उ0प्र0, प्रयागराज-** संस्थान का प्रमुख कार्य कक्षा-3 से 8 तक की अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तकों/पाठ्यसामग्री, शिक्षक अधिगम सामग्री का विकास/संशोधन/ परिमार्जन, अंग्रेजी भाषा शिक्षण के स्तर में गुणवत्ता सम्वर्द्धन हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण व शैक्षिक कार्यशालाओं, गोष्ठियों का आयोजन, तथा अंग्रेजी विषय के शिक्षण हेतु उपयोगी टी0एल0एम0 (टीचिंग लर्निंग मटीरियल) का विकास करना आदि है। आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान, उ0प्र0, प्रयागराज में स्वीकृत पदों की संख्या निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	प्राचार्य	रू0 15600—39100 ग्रे0पे0 6600	1	67700—208700
2.	प्रोफेसर	रू0 15600—39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100—177500
3.	ऐसोसिएट प्रोफेसर	रू0 15600—39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100—177500
4.	प्रवक्ता	रू0 9300—34800 ग्रे0पे0 4800	6	47600—151100
		योग	9	

- **राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, प्रयागराज-** दो वर्षीय डी0पी0एड0 प्रशिक्षण के साथ-साथ उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को खेल एवं शारीरिक शिक्षा से सम्बन्धित प्रशिक्षण इस संस्थान के प्रमुख कार्य हैं। संस्थान के स्वीकृत पदों का विवरण निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	प्रधानाचार्य	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100–177500
2.	उप प्राधानाचार्य	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100–177500
3.	प्रवक्ता	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4800	3	47600–151100
4.	सहायक अध्यापक (स्ना0वे0)	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4600	2	44900–142400
		योग	7	

- **राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रामपुर -** दो वर्षीय डी0पी0एड0 प्रशिक्षण के साथ-साथ उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को खेल एवं शारीरिक शिक्षा से सम्बन्धित प्रशिक्षण इस संस्थान के प्रमुख कार्य हैं। संस्थान के स्वीकृत पदों का विवरण निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	प्रधानाचार्य	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100–177500
2.	उप प्राधानाचार्य	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100–177500
3.	प्रवक्ता	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4800	7	47600–151100
4.	सहायक अध्यापक (स्ना0वे0)	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4600	2	44900–142400
		योग	11	

- **राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, प्रयागराज -** सी0टी0 (नर्सरी) ट्रेनिंग के साथ-साथ अन्य सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन इस संस्थान के प्रमुख कार्य है। संस्थान के स्वीकृत पदों की संख्या निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	प्रधानाचार्य	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100–177500
2.	उप प्राधानाचार्य	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100–177500
3.	प्रवक्ता	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4800	3	47600–151100
4.	सहायक अध्यापक (स्ना0वे0)	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4600	2	44900–142400
		योग	7	

- **राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा-** सी0टी0 (नर्सरी) ट्रेनिंग के साथ-साथ अन्य सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन का इस संस्थान के प्रमुख कार्य हैं। राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा के स्वीकृत पदों की संख्या निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	प्रधानाचार्य	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	1	56100–177500
2.	प्रवक्ता	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4800	2	47600–151100
3.	सहायक अध्यापक (स्ना0वे0)	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4600	12	44900–142400
		योग	15	

- **जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (70 जनपद में) -** जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डायट) शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने हेतु जनपद स्तरीय महत्वपूर्ण कड़ी है। प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण एवं 6-14 वय वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा सेवापूर्व डी0एल0एड0 (बी0टी0सी0) प्रशिक्षण का संचालन के साथ-साथ सेवारत् प्रशिक्षण, शैक्षिक शोध सर्वेक्षण आदि कार्य किये जाते हैं। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में 7 इकाइयाँ (विभाग) क्रमशः सेवापूर्व शिक्षक शिक्षा विभाग, कार्यानुभव विभाग, जिला संसाधन इकाई, सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम, क्षेत्रीय सम्पर्क एवं नवाचार समन्वय विभाग, पाठ्यक्रम सामग्री विकास तथा मूल्यांकन विभाग, शैक्षिक तकनीकी तथा नियोजन एवं प्रबन्धन विभाग है। केन्द्र पुरोनिधानित शिक्षक- शिक्षा योजना के अन्तर्गत प्रदेश में वर्तमान में 70 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान क्रियाशील हैं। प्रदेश के नवसृजित जनपद शामली, सम्भल,

कासगंज, अमेठी एवं गाजियाबाद में भारत सरकार द्वारा डायट की स्थापना हेतु स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

डायट में स्वीकृत शैक्षिक पदों का विवरण निम्नवत है:-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद		7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	प्राचार्य	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 6600	1x70=	70	67700–208700
2.	उप प्राचार्य	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 6600	1x70=	70	67700–208700
3.	वरिष्ठ प्रवक्ता	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	6x70=	420	56100–177500
4.	प्रवक्ता	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4800	17x70=	1190	47600–151100
5.	कार्यानुभव शिक्षक	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4600	1x70=	70	44900–124400
6.	तकनीकी सहायक	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4600	1x70=	70	44900–124400
7.	सांख्यिकीकार	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4600	1x70=	70	44900–124400
		योग		**1960**	

- **मण्डलीय मनोविज्ञानकेन्द्र-** प्रदेश के 10 मण्डल मुख्यालयों में क्रमशः अयोध्या, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, आगरा, मेरठ, झांसी, गोरखपुर, कानपुर एवं वाराणसी में मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्र स्थापित है। मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्रों द्वारा सम्बन्धित मण्डल के जनपदों के विद्यालयी बालक-बालिकाओं की विभिन्न प्रकार की मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान हेतु मनोवैज्ञानिक परीक्षण किये जाते हैं एवं आवश्यकतानुसार निर्देशन एवं परामर्श प्रदान किया जाता है। मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्रों में स्वीकृत शैक्षिक पदों का विवरण निम्नवत् है-

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनक्रम	स्वीकृत पद	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान
1.	मण्डलीय मनोवैज्ञानिक	रू0 15600–39100 ग्रे0पे0 5400	10	56100–177500
2.	प्रवक्ता व्यवसायिक निर्देशन	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4800	10	47600–151100
3.	प्रवक्ता (मनोवैज्ञानिक)	रू0 9300–34800 ग्रे0पे0 4800	10	47600–151100
		योग	30	

परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0, प्रयागराज

परीक्षा नियामक प्राधिकारी उत्तर प्रदेश का कार्यालय जनपद प्रयागराज में स्थित है। इस कार्यालय द्वारा विभिन्न परीक्षायें आयोजित करायी जाती हैं। इस कार्यालय में एक सचिव एवं एक रजिस्ट्रार हैं। निदेशक, राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज पदेन सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के रूप में कार्य करते हैं। परीक्षा नियामक प्राधिकारी द्वारा किये जा रहे मुख्य कार्य निम्नवत् हैं -

- डी0एल0एड0 प्रशिक्षण सम्बन्धी कार्यवाही।
- डी0एल0एड0 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालन हेतु एन0सी0टी0ई0 से मान्यता प्राप्त निजी डी0एल0एड0 संस्थानों का सम्बद्धता प्रदान करना।
- अध्यापक पात्रता परीक्षा का आयोजन।
- डी0एल0एड0, विशिष्ट बी0टी0सी0, दो वर्षीय बी0टी0सी0, उर्दू विशेष प्रशिक्षण 2005, 2006 (प्रथम) एवं 2006 (द्वितीय) की परीक्षा का आयोजन।
- दूरस्थ माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षामित्रों की परीक्षा का आयोजन।
- प्रशिक्षु शिक्षक चयन 2011 के प्रशिक्षणार्थियों की परीक्षा का आयोजन।
- मृतक आश्रित के रूप में नियुक्त शिक्षकों की डी0एल0एड0 प्रशिक्षणोपरान्त परीक्षा का आयोजन।
- विभिन्न छात्रवृत्ति परीक्षाओं का आयोजन।
- शासन के निर्देशानुसार सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा का आयोजन।
- पुस्तकालय विज्ञान परीक्षा का आयोजन।
- उर्दू प्रवीणता परीक्षा।
- समाज कल्याण द्वारा संचालित विद्यालयों हेतु प्रवेश परीक्षा।

अध्यापक पात्रता परीक्षा

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुक्रम में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की अधिसूचना दिनांक 23.08.2010 एवं संशोधित अधिसूचना दिनांक 29.07.2011 द्वारा कक्षा 1 से 8 तक के शिक्षकों हेतु न्यूनतम अर्हता निर्धारित की गयी है जिसके अनुसार शिक्षक के रूप में नियुक्ति हेतु न्यूनतम अर्हता के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी0ई0टी0) उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा अपने राज्य की परिसीमा में संचालित सभी प्रकार के प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा 1 से 8) में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने हेतु संचालित यह परीक्षा उत्तर प्रदेश 'शिक्षक पात्रता परीक्षा- (UPTET) परीक्षा के रूप में जानी जाती है। वर्ष 2011 में उक्त परीक्षा माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0, इलाहाबाद द्वारा करायी गयी थी। अग्रेतर शासनादेश संख्या-1742/ 15-11-2014-2750/2012, दिनांक 24.12.2014 के द्वारा उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET) के संचालन/आयोजन का दायित्व सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0, इलाहाबाद को दिया गया। परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0 इलाहाबाद द्वारा अब तक वर्ष 2011, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017 एवं 2018 में 'उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा' का आयोजन किया गया है।

उ0प्र0 शिक्षक पात्रता

परीक्षा 2011, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017 एवं 2018 परीक्षाफल

परीक्षा वर्ष	प्राथमिक स्तर			उच्च प्राथमिक स्तर		
	सम्मिलित	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %	सम्मिलित	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %
2011	596733	299420	50.18	524577	273079	52.05
2013	110352	27882	25.27	612214	74873	12.23
2014	161747	65357	40.40	617060	123369	19.99
2015	237620	59062	24.85	622437	87353	14.03
2016	221654	25226	11.38	454616	50138	11.03
2017	276636	47975	17.34	531712	41888	7.88
2018	1101645	386137	35.05	569515	188646	33.12

एस0सी0ई0आर0टी0 के नियमित कार्य

- दो वर्षीय डी0एल0एड0 प्रशिक्षण
- प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर की पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का पुनरीक्षण
- डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण
- डी0एल0एड0 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आधारित पाठ्य सामग्री का विकास
- डी0जी0पी0 प्रशिक्षण
- डी0पी0एड0 प्रशिक्षण
- सी0टी0 (नर्सरी)

- **डिप्लोमा इन फिजिकल एजुकेशन (डी०पी०एड०)**

संस्थायें- राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रामपुर तथा प्रयागराज, शासकीय सहायता प्राप्त शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, समोधपुर-जौनपुर तथा क्रिश्चियन कॉलेज, लखनऊ (अल्पसंख्यक संस्थान)

पात्रता-उत्तर प्रदेश के ऐसे अभ्यर्थी आवेदन करने के पात्र होगें, जिन्होनें आवेदन पत्र भरने के पूर्व विधि द्वारा स्थापित एवं यू०जी०सी० से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अन्य आरक्षित श्रेणियों के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंकों में 05 प्रतिशत की छूट रहेगी। पात्रता की अन्य शर्तें यथा आयु, आरक्षण, आवेदन शुल्क, चयन प्रक्रिया आदि समय-समय पर शासन द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

अवधि-दो वर्ष

आवेदन/चयन प्रक्रिया- ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। चयन सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ०प्र० प्रयागराज द्वारा राज्य स्तर पर मेरिट तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा के आधार पर होता है। चयन प्रक्रिया, शुल्क आदि शासन द्वारा निर्धारित हैं।

परीक्षा- सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी,उ०प्र० प्रयागराज द्वारा आयोजित की जाती है।

- **नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग (एन०टी०टी०)**

एन०सी०टी०ई० से मान्यता के उपरान्त प्रदेश शासन से सम्बद्धता प्राप्त निजी शिक्षण संस्थानों में संचालित किया जाता है। आवेदन हेतु पात्रता की शर्तें यथा आयु, शैक्षिक योग्यता, आरक्षण, आवेदन शुल्क, चयन प्रक्रिया आदि समय-समय पर शासन द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

सेवारत शिक्षक-प्रशिक्षण

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा इसकी इकाईयों एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा शैक्षिक प्रशासकों, प्रधानाचार्यों, डायट के संकाय सदस्यों तथा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व शिक्षकों के क्षमता संवर्द्धन हेतु विभिन्न प्रकार के सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। प्रशिक्षण मुख्यतः विषय-आधारित एवं दक्षता-आधारित होते हैं। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रतिभागियों को विभिन्न शैक्षिक नीतियों एवं कार्यक्रमों, शिक्षण की नवीन विधियों तथा कक्षा-प्रबन्धन की जानकारी दी जाती है तथा उनके ज्ञान को अद्यतन करने का प्रयास किया जाता है।

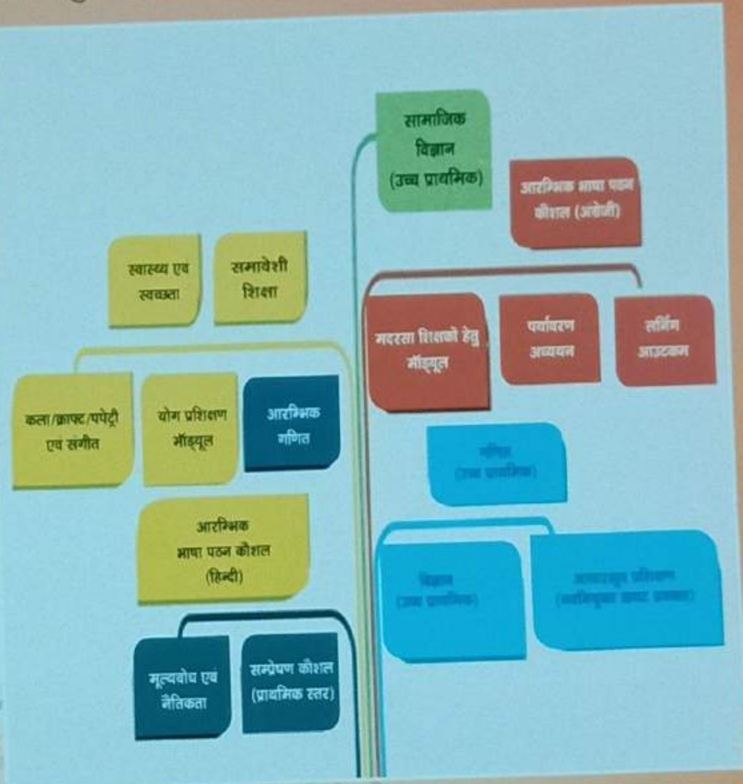

सेवारत शिक्षक-प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूल एवं प्रशिक्षण सामग्री का विकास राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं के विशेषज्ञों, परिषद के विशेषज्ञों, अध्यापकों, विशिष्ट संस्थाओं तथा स्वयं सेवी संस्थाओं के विशेषज्ञों के माध्यम से कराया जाता है। विकसित मॉड्यूल/सामग्री का क्षेत्र परीक्षण कराकर उसे अन्तिम रूप प्रदान किया जाता है। मॉड्यूल एवं प्रशिक्षण सामग्री में समय-समय पर नवीन विधाओं को जोड़ा जाता है। प्रशिक्षण हेतु जनपद स्तरीय संदर्भदाता (मास्टर ट्रेनर) राज्य स्तर पर तैयार किये जाते हैं। ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाता (मास्टर ट्रेनर) जनपद स्तर पर तैयार किये जाते हैं, जो शिक्षकों को प्रशिक्षित करते हैं।

विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों के Whatsapp ग्रुप बनाये जाते हैं, जिन पर शिक्षकों द्वारा अपने नवाचारों को साथी शिक्षकों के साथ साझा किया जाता है। 'समग्र शिक्षा अभियान योजना के अन्तर्गत परिषद द्वारा माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु भी सेवारत प्रशिक्षणों का आयोजन किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त परिषद द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली, सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा आयोजित तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले अन्य विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग हेतु शिक्षकों को नामित भी किया जाता है।

आरम्भिक स्तर पर अंग्रेजी पठन कौशल

बच्चों के मन में अंग्रेजी भाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करने तथा अंग्रेजी भाषा के प्रति भय को दूर करने के उद्देश्य से इस "आरम्भिक स्तर पर अंग्रेजी पठन कौशल" मॉड्यूल का विकास किया गया है। इस मॉड्यूल में अंग्रेजी विषय को सरल और रोचक तरीके से बच्चों को समझाने तथा दैनिक व्यवहार में बच्चों को अंग्रेजी शब्द/वाक्य बोलने हेतु प्रेरित करने के लिए विविध गतिविधियों का समावेश किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 62525 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

आरम्भिक पठन कौशल (हिन्दी)

छात्र-छात्राओं में आरम्भिक पठन कौशल के विकास हेतु "आरम्भिक पठन कौशल एवं सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) आधारित" मॉड्यूल का विकास किया गया है। इस मॉड्यूल में कक्षा 1 और 2 के बच्चों में हिन्दी भाषा बोलने, समझने, पढ़ने एवं लिखने की क्षमताओं के विकास हेतु सरल और रोचक गतिविधियों का समावेश किया गया है। यह प्रशिक्षण प्राथमिक स्तर पर कक्षा 1 और 2 में शिक्षण करने वाले समस्त शिक्षकों को प्रदान किया गया।

आरम्भिक गणित

कक्षा 01 एवं 02 में बच्चों के स्तर के अनुसार सरल तथा परिवेश से जुड़ी गतिविधियों के प्रयोग से बच्चों में गणित की अवधारणाओं की सही समझ विकसित करने के उद्देश्य से इस मॉड्यूल का विकास किया गया है। यह मॉड्यूल गणित की समझ हेतु ELPS (experience, language, picture, symbol) के क्रम में बच्चों को अनुभव देने की बात करता है। यह प्रशिक्षण प्राथमिक स्तर पर कक्षा 1 और 2 में शिक्षण करने वाले समस्त शिक्षकों को प्रदान किया गया।

कला, क्राफ्ट, पपेट्री एवं संगीत

कला, क्राट, पपेट्री एवं संगीत के माध्यम से विभिन्न विषयों के शिक्षण को रूचिपूर्ण एवं आनन्ददायी बनाने के उद्देश्य से 'कला, क्राफ्ट, पपेट्री एवं संगीत प्रशिक्षण मॉड्यूल' का विकास किया गया है। इस मॉड्यूल द्वारा शिक्षकों में आर्ट एण्ड क्राफ्ट, पपेट्री एवं संगीत द्वारा कक्षा-शिक्षण को प्रभावी रोचक व जीवंत बनाने के कौशल विकास का प्रयास किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 10040 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता

स्वच्छ विद्यालय एवं स्वस्थ वातावरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के दृष्टिगत एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा 'स्वास्थ्य एवं स्वच्छता' विषयक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार कराया गया। इस मॉड्यूल में बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों की ओर शिक्षकों का ध्यान आकृष्ट करने का प्रयास किया गया है, जिससे बच्चों में अच्छी आदतों का विकास करके उनको स्वस्थ तथा स्वच्छ रहने की ओर अग्रसरित किया जा सकता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 11260 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

समावेशी शिक्षा

विभिन्न शैक्षिक, आर्थिक, व्यावसायिक, सामाजिक पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों को सीखने के समान अवसर प्रदान करने हेतु शिक्षकों को प्रशिक्षित करने तथा कक्षा में समावेशी वातावरण का सृजन करने के उद्देश्य से इस प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास किया गया है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के कक्षा में समायोजन के मुद्दे को भी इस मॉड्यूल में सम्मिलित किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 9430 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

योग प्रशिक्षण

प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर छात्र-छात्राओं के संज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ उनमें शारीरिक एवं मानसिक आरोग्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से योग मॉड्यूल का विकास किया गया। इसके अंतर्गत सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम, ध्यान को केन्द्र में रखते हुए ऐसी गतिविधियों तथा क्रियाकलापों का समावेश किया गया है, जो विभिन्न विषयों को पढ़ाते समय कक्षा में रूचिपूर्ण वातावरण के सृजन के साथ ही पाठ्यवस्तु को बोधगम्य बनाने में सहायक हो। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 14254 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

मूल्यबोध एवं नैतिकता

उच्च प्राथमिक स्तर की संस्कृत एवं हिन्दी की पाठ्यपुस्तकों के आधार पर बच्चों में अच्छे संस्कारों और नैतिक मूल्यों के विकास हेतु मूल्यबोध एवं नैतिकता सम्बन्धी मॉड्यूल को विकसित किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 7049 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

विद्यालय नेतृत्व व प्रबन्धन क्षमता विकास

प्रधानाध्यापकों में विद्यालय नेतृत्व व प्रबन्धन क्षमता के विकास हेतु नीपा,(NIEPA) नई दिल्ली द्वारा विकसित

मॉड्यूल के आधार पर प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षण सतत् रूप से कराया जाता है। इसके द्वारा प्रधानाध्यापकों को कार्यक्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का सामना करने तथा शैक्षिक वातावरण के सृजन हेतु प्रेरित किया जाता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 5201 प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया।

शिक्षण सम्बन्धी परिणाम (Learning Outcome) उन्मुखीकरण

कक्षा 1 से 8 के विषयवार विकसित शिक्षण सम्बन्धी परिणामों की शिक्षकों में समझ विकसित करने तथा कक्षा में शिक्षण सम्बन्धी परिणामों की सम्प्राप्ति को सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से शिक्षण सम्बन्धी परिणाम उन्मुखीकरण मार्गदर्शिका का विकास किया गया है। इसमें शिक्षण सम्बन्धी परिणाम, विद्यालयों हेतु तैयार किये गये पोस्टर्स तथा अभिभावकों हेतु तैयार किये गये पत्रक की उपयोगिता एवं उसके प्रभावी प्रयोग को सम्मिलित किया गया है। इस प्रशिक्षण हेतु राज्य स्तर पर 291 संदर्भदाता तैयार किये गये, जिनके द्वारा जनपद स्तर पर संदर्भदाता प्रशिक्षण एवं शिक्षकों का प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है।

सामाजिक विज्ञान प्रशिक्षण

बच्चों को समसामयिक मुद्दों व समस्याओं से परिचित कराते हुए उनका समाधान करने हेतु सक्षम बनाने, संवैधानिक व्यवस्था की जानकारी देने एवं स्थानीय समुदाय को उनके अधिकारों, कर्त्तव्यों व पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाते हुए सतत् विकास (sustainable development) हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों हेतु सामाजिक विज्ञान विषय के प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 9588 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

उच्च प्राथमिक गणित प्रशिक्षण

उच्च प्राथमिक विद्यालयों में गणित शिक्षण को रूचिपूर्ण एवं प्रभावी बनाने हेतु गणित प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास किया गया। इसके अन्तर्गत गणित-शिक्षण को बच्चों के जीवन अनुभव से जोड़ने तथा सिखाने के दौरान विभिन्न गतिविधियों के समावेश पर बल दिया गया है।

पर्यावरणीय अध्ययन प्रशिक्षण

बच्चों में प्रारम्भ से ही समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने, अधिकार, कर्तव्यो एवं पर्यावरण संरक्षण के

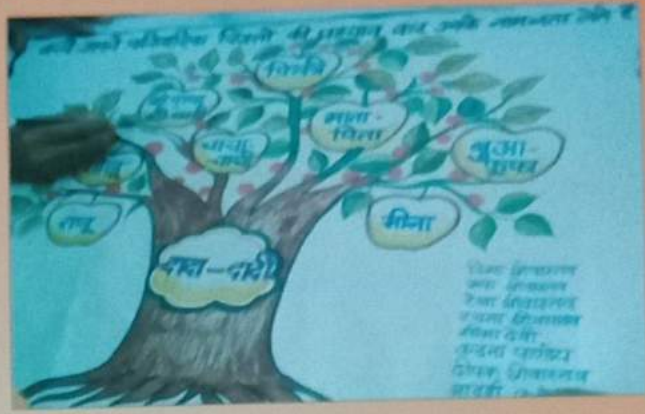

प्रति जागरूक करने व संवेदनशीलता का भाव लाने हेतु पर्यावरणीय अध्ययन (कक्षा 3 से 5) विषय के प्रशिक्षण माड्यूल का विकास किया गया है। इस माड्यूल के अन्तर्गत विचार-विमर्श, प्रदत्त कार्य, अभिनय शैली तथा विभिन्न गतिविधियो को समाहित करते हुये पर्यावरण अध्ययन विषय के शिक्षण को रोचक एवं प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया है। 56670 शिक्षकों को डायट/बी0आर0सी0 पर उक्त यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

मदरसा शिक्षकों हेतु प्रशिक्षण

मदरसा शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधाओं की जानकारी देने, कक्षा शिक्षण में आई0सी0टी0 का प्रयोग करने, विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूल्स की जानकारी देने हेतु 'फरोग़-ए-तालीम' प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास किया गया है। इसके अन्तर्गत 50 संदर्भदाताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिनको 4,293 मदरसा शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य दिया गया है।

Module for developing communicative skills at Upper Primary level (सम्प्रेषण कौशल)

उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों एवं बच्चों में अंग्रेजी भाषा में संवाद करने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से इस मॉड्यूल का विकास किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 12910 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

Training on ICT

कक्षा में आई0सी0टी0 के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिक्षकों को Educational App निर्मित करने का प्रशिक्षण दिया गया।

अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों के शिक्षकों का प्रशिक्षण

प्रदेश में अंग्रेजी माध्यम से संचालित परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों हेतु चयनित शिक्षकों को 5 दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रश्न पत्र विकास

प्रदेश में प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं एवं शिक्षकों में पठन-पाठन एवं अधिगम स्तर के मूल्यांकन हेतु सत्र परीक्षाओं के साथ-साथ अर्धवार्षिक तथा वार्षिक परीक्षाओं हेतु प्रश्न-पत्र का निर्माण जिला स्तर पर जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से कराया जाता है। परिषद द्वारा अधिगम सम्प्राप्ति आधारित स्कूल ग्रेडिंग हेतु प्रश्नावली (Test Tools) का विकास किया गया है।

आधारभूत प्रशिक्षण

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के नवनियुक्त प्रवक्ताओं को प्रदेश के शैक्षिक ढांचे, शिक्षा से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, अधिनियमों, नियमावलियों, शोध/सर्वेक्षण आदि से सम्बन्धित जानकारी देने के उद्देश्य से आधारभूत प्रशिक्षण निर्देशिका का विकास एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0 द्वारा कराया गया। निर्देशिका के आधार पर सीमैट, प्रयागराज द्वारा चरणबद्ध डायट में नव-नियुक्त प्रवक्ताओं का आधारभूत प्रशिक्षण संचालित किया गया है, जिसमें कुल 212 नवनियुक्त डायट प्रवक्ताओं ने प्रतिभाग किया।

लर्निंग आउटकम आधारित स्कूल ग्रेडिंग

प्रदेश शासन द्वारा कक्षा-1 से 8 तक कक्षावार व विषयवार "शिक्षण सम्बन्धी परिणामों" (Learning Outcomes) की अधिगम सम्प्राप्ति के आंकलन के निर्देश दिये गये हैं। बच्चों के अधिगम सम्प्राप्ति Learning Outcome के आंकलन के उद्देश्य से समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के समस्त नामांकित बच्चों की परीक्षा सम्पादित करायी जा रही है जिसके आधार पर बच्चों की शैक्षिक प्रगति का आंकलन तथा विद्यालयों की ग्रेडिंग की जायेगी। उक्त परीक्षा हेतु कक्षा 1-2 में भाषा एवं गणित, कक्षा 3-5 भाषा, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन तथा कक्षा 6-8 में भाषा, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन विषय के टेस्ट टूल्स तथा विद्यालय सूचना प्रपत्र एवं विद्यार्थी सूचना प्रपत्र का विकास एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा कराया गया हटेस्ट टूल्स के आधार पर प्राप्त आंकडों का विश्लेषण एवं आख्या लेखन एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा किया जायेगा।

एन0आई0ओ0एस0 द्वारा संचालित डी0एल0एड0 प्रशिक्षण(ऑन लाइन)

भारत सरकार के पत्र संख्या-D.O.No. 17-2/2017-EE.17 Dated 03-08-2017 द्वारा सरकारी तथा प्राइवेट विद्यालयों में कार्यरत अप्रशिक्षित शिक्षकों हेतु आर0टी0ई0 एक्ट 2009 के संशोधित सेक्शन 23(2) के अन्तर्गत 31.03. 2019 तक एन0आई0ओ0एस0 (राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान) के माध्यम से ऑन लाइन डी0एल0एड0 प्रशिक्षण की व्यवस्था मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गयी है। भारत सरकार के पत्र दिनांक 03.08.2017 तथा पत्र संख्या-D.O.No. 11-15/2017-EE.10 Dated 11 अक्टूबर, 2017 के क्रम में एन0आई0ओ0एस0 द्वारा ओ0डी0एल0 माध्यम से संचालित डी0एल0एड0 प्रशिक्षण हेतु एन0आई0ओ0एस0 के पोर्टल पर पंजीकृत शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में सेवारत अप्रशिक्षित शिक्षकों का सत्यापन सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा ऑनलाइन किया गया। एन0आई0ओ0एस0 के पोर्टल पर 163148 शिक्षकों द्वारा पंजीकरण कराया गया। यह संख्या एन0आई0ओ0एस0 की वेबसाइट (दिनांक 09.12.2018) के अनुसार है। जनपद स्तर पर प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा चयनित अध्ययन केन्द्रों पर उक्त पंजीकृत शिक्षकों हेतु पर्सनल कॉन्टेक्ट प्रोग्राम (PCP) चलाया जाता है। इस प्रशिक्षण की चारों परिक्षायें एस0आई0ओ0एस0 द्वारा सम्पादित करायी जा चुकी हैं।

प्रशिक्षु शिक्षक चयन-2011 -

प्रशिक्षु शिक्षक चयन 2011 की चयन प्रक्रिया शासनादेश संख्या-3116 / 79-5 - 14(10) / 2010 दिनांक 27.09. 2011 संशोधित शासनादेश संख्या-3176 / 79-5- 2011-14 (10), दिनांक 27.09.2011 एवं शासनादेश संख्या-3465 / 79-5-2014-14 (10) / 2010 टी0सी0, दिनांक 27.06.2014 के क्रम में निर्गत विज्ञापन दिनांक 30.11.2011 यथासंशोधित दिनांक 20.12.2011 तथा मा0 सर्वोच्च न्यायालय में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या-1874-1902 / 2014 एवं विशेष अपील संख्या-4347-4375 / 2014 में पारित अन्तरिम आदेशों के अनुपालन में की गई। अद्यतन 72825 पदों के सापेक्ष अद्यतन 66655 पदों पर चयन किया जा चुका है तथा 6170 पद रिक्त हैं।

●●●

शिक्षण में आई0सी0टी0 के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु प्रयास

वर्तमान युग सूचना और तकनीकी का युग है। अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ शिक्षण के क्षेत्र में भी सूचना और तकनीकी का प्रयोग आवश्यक हो गया है। इसके माध्यम से न केवल कक्षा-शिक्षण को रोचक एवं प्रभावी बनाया जा सकता है, वरन् शिक्षकों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि का यह एक प्रमुख साधन भी है। शिक्षा में आई0सी0टी0 के महत्त्व को देखते हुए परिषद द्वारा इस क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण प्रयास किये गये हैं।

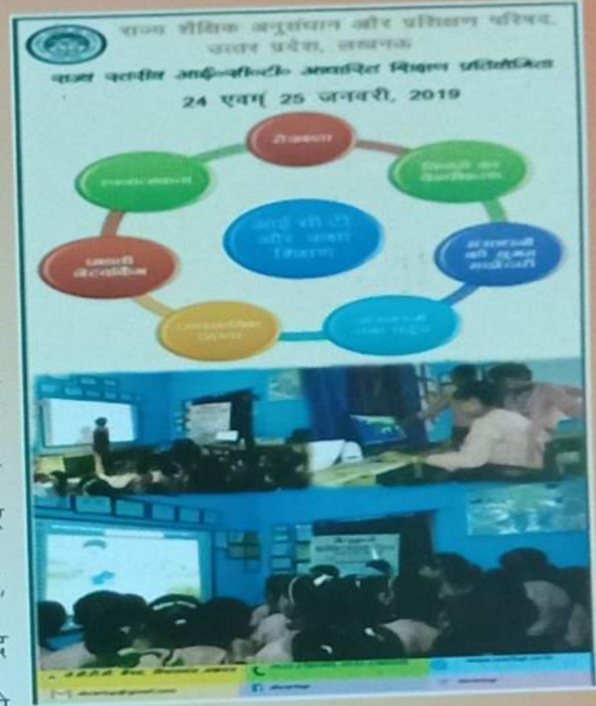

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रदेश में प्रचलित पाठ्यपुस्तकों में वर्ष 2018-19 में QR Code (Quick Response Code) समाहित किये गयें, जिसके अन्तर्गत शिक्षकों/ छात्र-छात्राओं/ अभिभावकों के लिए पाठ से सम्बन्धित अतिरिक्त अध्ययन सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध करायी गयी है। QR Code में पाठ से सम्बन्धित अथवा पाठ में दी गयी जानकारी को और समृद्ध करने के लिए, अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए वीडियो, ऑडियो तथा छपी हुई सामग्री दी गयी है। अधिकांश सामग्री परिषद द्वारा द्वारा तैयार करायी गयी है। इन सामग्रियों को और समृद्ध करने की दिशा में परिषद सतत् प्रयासरत है। शिक्षक अपने स्मार्ट फोन पर QR Code Scanner से QR Code को स्कैन करके सम्बन्धित विषय सामग्री को देख व सुन सकते हैं।

शिक्षक-प्रशिक्षण तथा कक्षा-शिक्षण से सम्बन्धित शिक्षकों के वीडियो लैसन परिषद के Youtube Channel 'SCERT Uttar Pradesh Lucknow' पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त परिषद के फेसबुक पेज के SCERTUP पर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों को साझा किया जाता है। विगत वर्ष परिषद द्वारा राज्य स्तरीय कहानी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें जनपद स्तर के चयनित प्रतिभागियों द्वारा विद्यालय में अपनी कहानी सुनाने की कला का प्रदर्शन किया गया था। प्रतिभागी शिक्षकों की कहानियों के वीडियो परिषद के Youtube Channel पर अपलोड किये गये हैं। साथ ही 'महान व्यक्तित्व' कक्षा 6, 7 व 8 की काहानियों की ऑडियो रिकॉर्डिंग परिषद द्वारा करायी गयी। 92 कहानियों के ऑडियो वर्जन QR Code में सम्मिलित किये गये हैं।

परिषद द्वारा विकसित 'शिक्षण सम्बन्धी परिणाम' से समस्त हितधारकों को अवगत कराने तथा उनकी सम्प्राप्ति के उद्देश्य से 'शिक्षण सम्बन्धी परिणाम' के वीडियो तैयार कराकर परिषद के Youtube पेज पर अपलोड किये गये हैं।

कक्षा-शिक्षण में आई0सी0टी0 के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए आई0सी0टी0 प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें प्रथम चरण में जनपद स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जनपद स्तर पर चयनित प्रतिभागियों की राज्य

स्तरीय प्रतियोगिता परिषद मुख्यालय में आयोजित की गयी, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा कक्षा-शिक्षण में आई0सी0टी0 के प्रयोग से सम्बन्धित प्रस्तुतीकरण किये गयें। प्रतिभागियों के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन विशेषज्ञों के पैनल द्वारा किया गया। राज्य स्तर पर चयनित सर्वश्रेष्ठ 26 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष आयोजित की जा रही है। इस वर्ष जनपद स्तर पर चयनित 91 प्रतिभागियों द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कक्षा शिक्षण में आई0सी0टी0 के प्रयोग से संबंधित प्रस्तुतीकरण किये गये।

शासकीय कार्यों को त्वरित गति से संपादित कराने हेतु परिषद द्वारा जनपदों तथा इकाईयों से सूचनाओं का आदान-प्रदान अधिकांशतः ई-मेल द्वारा ही किया जाता है। आई0सी0टी0 के प्रयोग द्वारा जानकारी एवं प्रचार-प्रसार की पहुँच और सुगमता को देखते हुए शिक्षकों द्वारा whatsapp group बनाये गये हैं, जिनमें उनके द्वारा शिक्षण से सम्बन्धित नवाचारों को साझा किया जाता है। E-Pothy App द्वारा पाठ्यपुस्तकों को सर्व-सुलभ किया गया है। पाठ्यपुस्तक उपलब्ध न होने पर भी इस App द्वारा शिक्षक अपने मोबाइल फोन पर पुस्तक पढ़ सकते हैं।

आईसीटी से बनाएंगे डिजिटल फ्रेंडली

परिषदीय स्कूलों में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए उठाया जा रहा कदम

आईसीटी योजना के प्रयोग के लिए टीचर्स को किया जा रहा प्रोत्साहित

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (30 Jan): परिषदीय स्कूलों में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने और टीचर्स को डिजिटल के माध्यम से मजबूत करने के लिए इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन (आईसीटी) टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए एससीईआरटी तेजी से प्रयास कर रहा है. इसको लेकर प्रदेश में टीचर्स के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है. जिससे टीचर्स का रुझान आईसीटी योजना के प्रति बढ़ सके. योजना का मकसद स्टूडेंट्स को विषय के बारे में डिजिटली अधिक से अधिक जानकारी देना है.

पढ़ाई के स्मार्ट तरीके पर फोकस

एससीईआरटी के डायरेक्टर संजय सिन्हा ने बताया कि आईसीटी टेक्नोलॉजी पढ़ाई के स्मार्ट तरीके को फोकस करता है. इसमें स्मार्टफोन के प्रयोग से लेकर स्मार्ट क्लास तक शामिल है. परिषदीय स्कूलों में इसके बढ़ावा देने के पीछे सबसे बड़ा मकसद है कि प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में एक कदम बढ़ाया जा सके. इसके प्रयोग से परिषदीय स्कूलों के बच्चों को अधिक लाभ होगा. टीचर्स द्वारा इसके प्रयोग से बच्चों को कक्षा में पढ़ाते समय किसी विषय से संबंधित विजुअल को भी आसानी से दिखाया जा सकेगा. जिससे बच्चों को उससे जुड़ी जानकारियां आसानी से याद हो सकेंगी.

यह हैं खास बातें

- टीचर्स के साथ ही आईसीटी के माध्यम से बच्चों को भी डिजिटल फ्रेंडली बनाना है मकसद
- विषयों के बारे में जानकारी को विजुअल के माध्यम से किया जाता है प्रदर्शित
- बच्चों में ऑडियो-विजुअल के जरिए सीखने में दिखती है अधिक रुचि
- बच्चों में लर्निंग प्रक्रिया बढ़ने में होती है मदद
- टीचर्स को भी डिजिटली अपडेट होने में होती मदद
- नेशनल स्तर तक अवार्ड हासिल कर सकते हैं टीचर्स
- पहले जिले, फिर स्टेट और आखिर में नेशनल प्रतियोगिता तक जा सकते हैं टीचर्स

आईसीटी के जरिए बच्चों को अधिक से अधिक डिजिटल फ्रेंडली बनाने पर फोकस किया जा रहा है. इससे बच्चों में किसी भी चीज को विजुअली देखने और सीखने की क्षमता भी बढ़ रही है. क्योंकि आने वाला फ्यूचर डिजिटल का ही है.

संजय सिन्हा
डायरेक्टर, एससीईआरटी

किताबों में क्यूआर कोड

परिषदीय स्कूलों कि किताबों में क्यूआर कोड की शुरुआत इसी की दिशा में उठाया गया कदम है. आज के समय में लगभग सभी टीचर्स स्मार्टफोन का प्रयोग करते हैं. टीचर्स किताबों में दिए गए क्यूआर कोड की मदद से संबंधित विषय का विजुअल दीक्षा एप के माध्यम से कक्षा में प्रदर्शित कर सकते हैं. इससे बच्चों को विषय के बारे में समझने में आसानी होती है. ऐप में सभी विषयों के बारे में विजुअल के साथ ही ऑडियो की सुविधा भी उपलब्ध है. जिसका फायदा स्टूडेंट्स को होगा.

परिषद द्वारा डायट्स की ग्रेडिंग हेतु एक मोबाइल ऐप तैयार किया गया है, जो जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के निरन्तर अनुश्रवण एवं गुणवत्ता संवर्धन में सहायक होगा। इसके साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रमों के ऑन-लाइन अनुश्रवण हेतु भी app का विकास परिषद द्वारा कराया गया है। तकनीकी में रूचि रखने वाले शिक्षकों हेतु परिषद द्वारा App निर्माण करने सम्बन्धी कार्यशाला का आयोजन कराया गया। प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा कक्षा-शिक्षण में उपयोगी छोटे-छोटे App तैयार किये जा रहे हैं।

विभिन्न प्रतियोगिताएँ

शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षता तथा उनके शिक्षण कौशल को पहचानने, शिक्षकों को प्रोत्साहित करने तथा शैक्षिक गुणवत्ता संवर्द्धन हेतु स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एस० सी० ई० आर०टी०), उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। अधिक से अधिक शिक्षकों को प्रतिभाग हेतु अवसर प्रदान करने के लिए सभी प्रतियोगिताएँ जनपद स्तर पर एवं अग्रेतर राज्य स्तर पर आयोजित की जाती हैं। प्रतियोगिता मुख्यतः कक्षा-शिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने की प्रक्रियाओं पर आधारित होती हैं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से राज्य स्तर पर शिक्षकों का एक संदर्भ समूह तैयार किया जा रहा है।

एस०सी०ई०आर०टी० द्वारा वर्ष 2017-18 में आदर्श पाठयोजना प्रतियोगिता, कहानी सुनाने की प्रतियोगिता, आई०सी०टी० आधारित कक्षा-शिक्षण प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी। सभी प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 25-25 प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया गया।

वर्ष 2018-19 में आदर्श पाठयोजना प्रतियोगिता, कहानी सुनाने की प्रतियोगिता, आई०सी०टी० आधारित कक्षा-शिक्षण प्रतियोगिता के साथ-साथ योग प्रतियोगिता, नाट्य प्रतियोगिता, खेलकूद प्रतियोगिता एवं प्रश्न निर्माण प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी हैं।

राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता जून 2018 में आयोजित की गयी तथा चयनित 25 महिला एवं 25 पुरूष प्रतिभागी शिक्षकों को 21 जून 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। शेष प्रतियोगिताओं के राज्य स्तरीय विजेताओं को मार्च 2019 में पुरस्कृत किया जाएगा।

नाट्य प्रयोगिता एवं खेल-कूद प्रतियोगिता पहली बार आयोजित कि गयी। खेल प्रतियोगिता जनपद स्तर पर आयोजित की गयी। नाट्य प्रतियोगिता के अन्तर्गत नाटक के वीडियो जनपद स्तर पर आमंत्रित किये गये। जनपदों में प्राप्त नाटकों के वीडियों की स्क्रीनिंग राज्य स्तर पर विशेषज्ञों द्वारा करायी गयी। नाटक शिक्षकों

द्वारा तैयार कराये गये जिसमें अभिनय विद्यालय के बच्चों द्वारा ही किया गया।

वर्ष 2018-19 में आयोजित प्रतियोगिताओं के राज्य स्तर पर चयनित शिक्षकों की संख्या।	
प्रतियोगिता	चयिनत शिक्षकों की संख्या
योग प्रतियागिता	50
आदर्श पाठ योजना प्रतियोगिता	60
आई0सी0टी0 प्रतियोगिता	50
कहानी सुनाने की प्रतियोगिता	50
नाट्य प्रतियोगिता	25

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शैक्षिक सामग्री का प्रयोग सीखने के वातावरण को सृजित करने में बहुत महत्वपूर्ण एवं प्रभावी होता है। विशेषकर प्रारम्भिक कक्षाओं में अवधारणाओं को स्पष्ट करने, कौशल विकास करने तथा बच्चों को करके सीखने के अवसर प्रदान करने के दृष्टिगत शैक्षिक सामग्री का प्रयोग बहुत प्रभावी रहा है। शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी, रूचिकर, भयमुक्त एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा वर्ष 2015-16 से शिक्षकों को कला, क्राफ्ट, पपेट्री का प्रशिक्षण इस आशय से दिया जा रहा है कि वह ''शिक्षण संबंधी परिणाम'' (लर्निंग आउटकम) की सम्प्राप्ति हेतु शैक्षिक सामग्री के निर्माण एवं प्रयोग में सक्षम एवं सहज हो सकें।

गत वर्षो में दिये गये प्रशिक्षण के प्रभाव एवं शिक्षकों के इन विधाओं में किये गये नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षकों के लिए ''कला, क्राफ्ट, पपेट्री के माध्यम से शिक्षण सम्बन्धी परिणाम की सम्प्राप्ति'' संबंधी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता दिनांक 26-27 मार्च 2019 को आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता हेतु इच्छुक प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों से ऑन लाइन प्रविष्टियां आमंत्रित की गयी। अंतिम तिथि तक 185 प्राथमिक तथा 72 उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की प्रविष्टियां प्राप्त हुई।

यह प्रतियोगिता दिनांक 26-27 मार्च 2019 को एस0सी0ई0आर0टी0 लखनऊ में दो चरणों में आयोजित की गयी। प्रथम चरण में दिनांक 26.03.2019 को प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर के 210 शिक्षकों द्वारा तैयार किये गये कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री का प्रस्तुतीकरण किया गया। निर्णायक मण्डल द्वारा शिक्षकों के प्रस्तुतीकरण के आधार पर मूल्यांकन किया गया तथा 84 शिक्षकों (प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के) को द्वितीय चरण

की प्रतियोगिता के लिये चयनित किया गया।

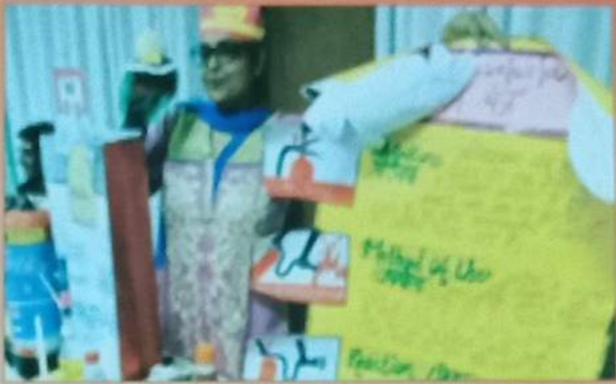

द्वितीय चरण में दिनांक 27.03.2019 को प्रतिभागियों को लर्निंग आउटकम दिया गया तथा कला, क्राफ्ट, पपेट्री निर्माण से सम्बन्धित आवश्यक सामग्री दी गयी। प्रतिभागियों द्वारा निर्धारित समय में दिये गये लर्निंग आउटकम से सम्बन्धित कला, क्राफ्ट, पपेट्री का निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण किया गया।

द्वितीय और अन्तिम चरण में विषयवार 43 शिक्षकों का चयन किया गया। दोनों ही चरणों में निर्णायक मण्डल द्वारा ''सामग्री लर्निंग आउटकम की सम्प्राप्ति में कितनी सहायक है, सामग्री निर्माण प्रक्रिया, प्रभावशीलता एवं प्रस्तुतीकरण के आधार पर मूल्यांकन किया गया। चयनित प्रतिभागियों को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न देकर पुरस्कृत किया जायेगा।

प्रदेश स्तर पर इस प्रकार की प्रतियोगिता पहली बार आयोजित की गयी तथा शिक्षकों से सीधे प्रविष्टियां प्राप्त की गयीं। प्रतियोगिता में प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया। कला, क्राफ्ट, पपेट्री के निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण में शिक्षकों का उत्साह, उनकी रचनात्मकता एवं नवाचारी सोच अत्यन्त सराहनीय रही।

शिक्षण सम्बन्धी परिणाम (Learning Outcomes)

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (RTE-2009) के अन्तर्गत 6 से 14 वय वर्ग के सभी बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के परिपेक्ष्य में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा शिक्षण सम्बन्धी परिणाम (Learning Outcomes) तथा उनकी सम्प्राप्ति सुनिश्चित कराने हेतु प्रक्रिया व विधियों का उल्लेख करते हुए "शिक्षण सम्बन्धी परिणाम" अभिलेख तैयार किया गया है। इस अभिलेख में कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्यक्रमीय अपेक्षाओं तथा हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन तथा पर्यावरण अध्ययन विषय के शिक्षण सम्बन्धी परिणाम (Learning Outcomes) तथा उनकी सम्प्राप्ति हेतु सीखने-सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाओं को सम्मिलित किया गया है। इनके माध्यम से शिक्षक स्पष्ट रूप से यह जान सकेंगे कि प्रत्येक कक्षा में तथा विषय विशेष में सभी बच्चों का अधिगम स्तर क्या होना चाहिए तथा अभिलेख में सुझायी गयी गतिविधियों एवं अन्य नवाचारी शिक्षण विधाओं के माध्यम से उनकी सम्प्राप्ति को सुनिश्चित कराने में सफल होंगे। इस अभिलेख के साथ-साथ शिक्षण सम्बन्धी परिणामों से अभिभावकों तथा समुदाय के लोगों को अवगत कराने के दृष्टिगत अभिभावकों हेतु पत्रक तैयार कराये गये हैं, जिनके द्वारा अभिभावक अपने बच्चे की प्रगति का आकलन कर सकेंगे। विद्यालयों के लिए शिक्षण सम्बन्धी परिणामों के पोस्टर्स के माध्यम से बच्चों की सम्प्राप्ति की ओर समस्त हितधारकों का ध्यान केन्द्रित करने का प्रयास किया गया है।

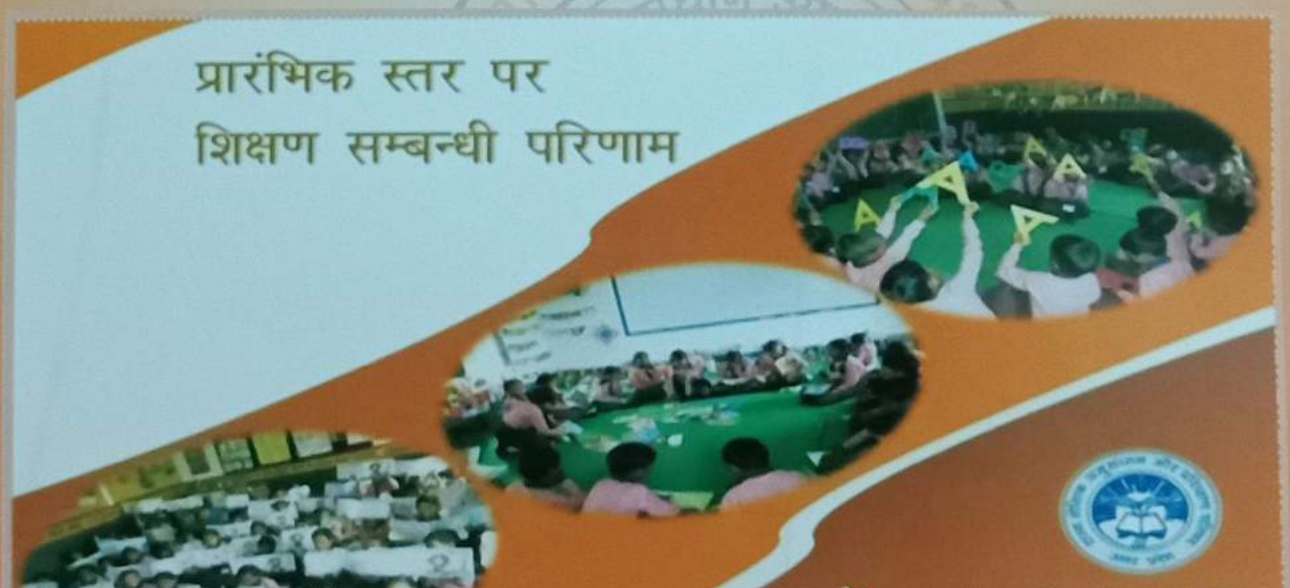

शिक्षण सम्बन्धी परिणाम

प्राथमिक विद्यालय हेतु पोस्टर (कक्षा-1-5)

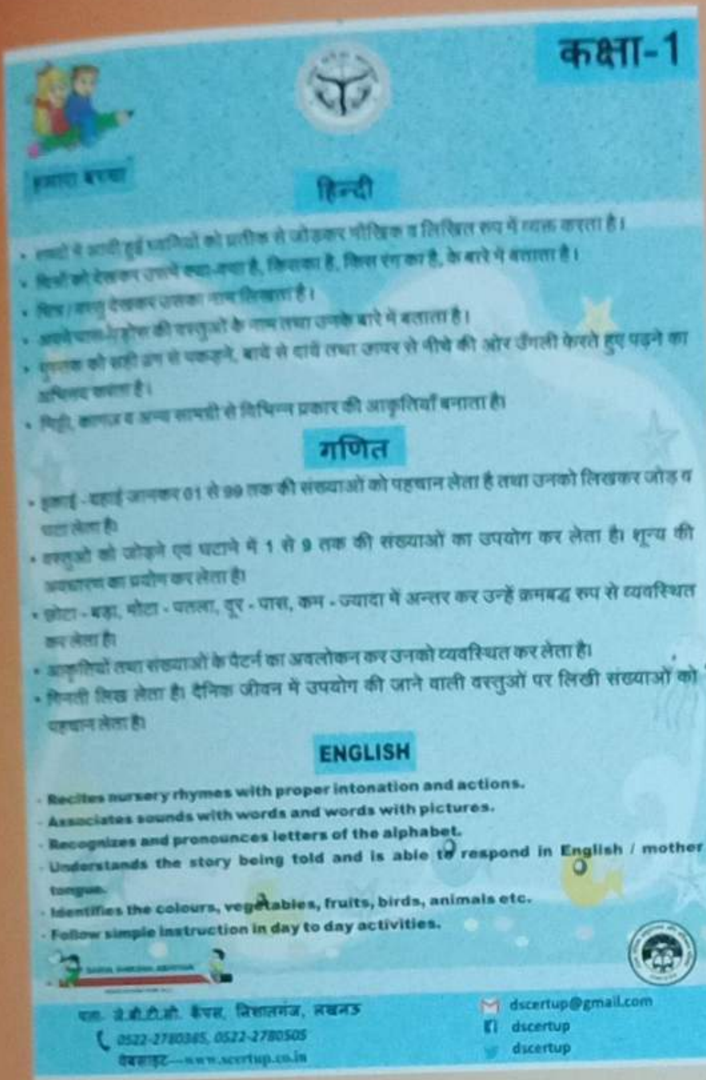

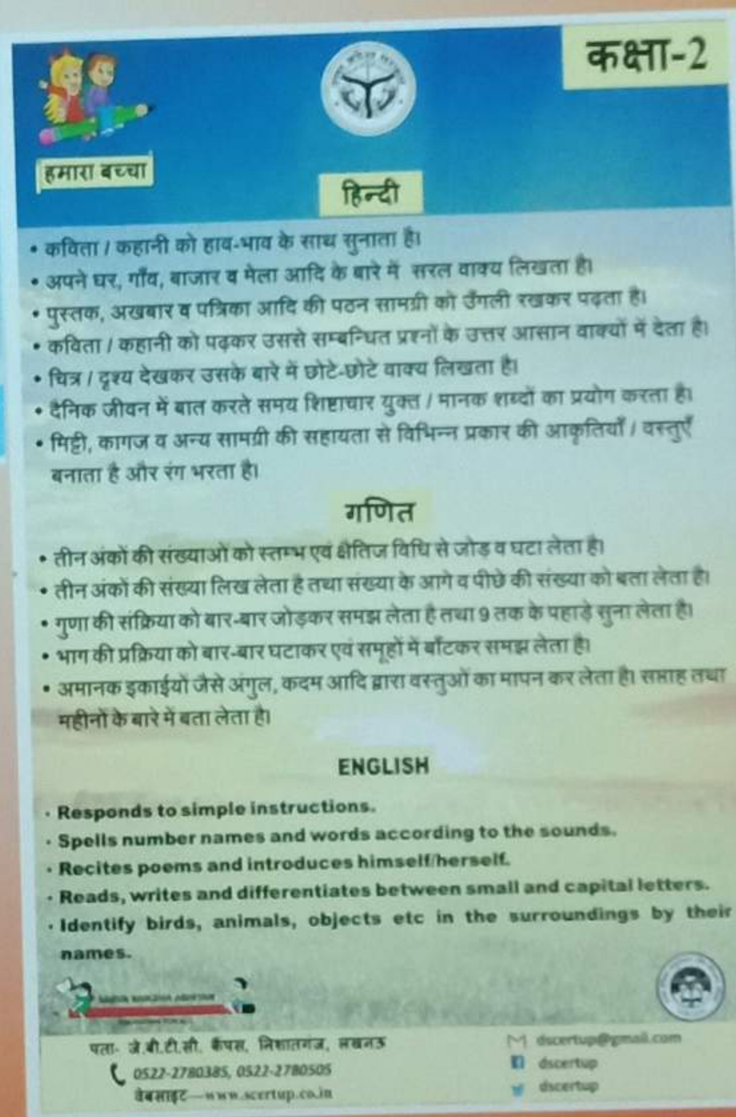

शिक्षण सम्बन्धी परिणाम

कक्षा-3

हमारा बच्चा

हिन्दी

- कविता / कहानी / अन्य पाठ्य सामग्री को धाराप्रवाह के साथ पढ़ता है।
- कविता / कहानी को चित्र के रूप में प्रदर्शित करता है।
- शब्दों को उचित दूरी पर तथा सीधी लाइन में लिखता है।
- पाठ्य सामग्री पर आधारित प्रश्नों के उत्तर मौखिक व लिखित रूप में देता है।
- संदर्भ से जुड़ी जानकारी और चित्रों को समाचार पत्र व अन्य सामग्री से खोजता है व संकलित करता है।
- वाक्यों में आये संज्ञा / सर्वनाम शब्दों को पहचानकर बताता है।
- परिवेशीय घटनाओं / **विभिन्न** त्योहारों के बारे में समझकर बताता है।

गणित

- इकाई, दहाई, सैकड़ा व हजार में अन्तर कर लेता है तथा चार अंकीय संख्याओं के जोड़-घटाव कर लेता है।
- चार अंकीय संख्याओं को आरोही व अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर लेता है। दिये गये चार अंकों से छोटी व बड़ी संख्याएँ बना लेता है।
- पहाड़े बनाकर उनका प्रयोग करता है। तीन अंकीय संख्या में एक व दो अंकीय संख्या का गुणा कर लेता है।
- भाग की अवधारणा को लगातार घटाने की प्रक्रिया से समझता है। भाज्य, भाजक, भागफल तथा शेषफल में अन्तर कर लेता है।
- आधा, चौथाई, तिहाई व तीन चौथाई भागों में अन्तर कर लेता है। भिन्नों की तुलना कर लेता है। भिन्नों का जोड़ व घटाव कर लेता है।
- मानक इकाईयों का प्रयोग कर वस्तुओं की लम्बाई, चौड़ाई, भार व धारिता का माप लेता है। विभिन्न प्रकार की ज्यामितीय आकृतियाँ बना लेता है।
- संख्या व आकृतियों को पैटर्न के अनुरूप व्यवस्थित कर लेता है।
- दैनिक जीवन में कैलेण्डर का उपयोग कर लेता है।

ENGLISH

- **Recognizes the objects of his surroundings and spells them.**
- **Makes simple and meaningful sentences.**
- **Draws and Writes short sentences related to the stories read.**
- **Knows the use of 'a', 'an' and this/that etc.**
- **Speaks about his drawing or written work.**
- **Reads and writes simple text, and knows picture reading.**

SARVA SHIKSHA ABHIYAN

पता- जे.बी.टी.सी. कैंपस, निशातगंज, लखनऊ
0522-2780385, 0522-2780505
वेबसाइट—www.scertup.co.in
dscertup@gmail.com
dscertup
dscertup

कक्षा-4

हमारा बच्चा

हिन्दी

- विभिन्न घटनाओं को मौखिक रूप से व्यक्त करने के दौरान नये मानक शब्दों का प्रयोग करता है।
- किसी अधूरी कविता, कहानी को अपनी कल्पना के आधार पर पूर्ण करता है।
- विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों जैसे - स्वच्छता, वृक्षारोपण आदि पर अपने विचार व्यक्त करता है एवं उन्हें दैनिक जीवन में अपनाता है।
- पैम्फलेट, रैपर व समाचार-पत्र को पढ़ता है।
- अपनी आवश्यकतानुसार होर्डिंग्स, साइनबोर्डस को पढ़ता है और कार्य व्यवहार में लाता है।
- किसी निधार्रित विषय पर 5-7 वाक्यों को विरामादि **चिह्नों** का प्रयोग करते हुए लिखता है।
- आवश्यकतानुसार पत्र / प्रार्थना-पत्र लिखता है।
- किसी सुनी हुई कविता / कहानी को ज्यों का त्यों अपने शब्दों में लिखता है।

गणित

- लाख तक की संख्याओं को अंको व शब्दों मे लिख लेता है एवं दैनिक जीवन में उनसे सम्बन्धित प्रश्नों को हल कर लेता है।
- सम, विषम व मिश्र भिन्नों की तुलना कर उनको एक दूसरे में परिवर्तित कर लेता है। भिन्नों का जोड़-घटाव तथा दैनिक जीवन में दशमलव भिन्न का प्रयोग कर लेता है।
- त्रिभुज, वर्ग, आयत में अन्तर कर लेता है। दी गयी आकृतियों का परिमाप ज्ञात कर लेता है।
- दैनिक जीवन में आँकड़ों से सम्बन्धित सूचनाओं को व्यवस्थित करने के लिए सारणी का प्रयोग कर लेता है।
- संख्याओं का ल0स0 व म0स0 ज्ञात कर लेता है। संख्या सम्बन्धी पहेलियाँ हल करता है।
- पैटर्न सम्बन्धी समस्याओं को समझ कर हल कर लेता है।

ENGLISH

- Understand/Identifies the main ideas and themes of stories, texts and poems. Participates in class/peer conversation and interacts with teachers.
- Tells and writes about different helping hands of society in simple sentences.
- Reads the text with proper stress, rhythm and intonation.
- Uses 'Thank you', 'Sorry', 'Please' etc. in day to day conversation.
- Asks questions from teachers, elders and friends.
- Understands print materials apart from text book.
- Uses dictionary wherever required.
- Expresses him/herself orally.

SARVA SHIKSHA ABHIYAN

पता- जे.बी.टी.सी. कैंपस, निशातगंज, लखनऊ
0522-2780385, 0522-2780505
वेबसाइट—www.scertup.co.in
dscertup@gmail.com
dscertup
dscertup

पर्यावरणीय अध्ययन

हमारा बच्चा

कक्षा-3

- अपने परिवार के सदस्यों के नाम एवं उनके आपसी सम्बन्ध के बारे में बताता है।
- अपने परिवेश में दिखने वाले जीव-जन्तुओं तथा पेड़-पौधों की पहचान कर लेता है।
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

कक्षा-4

- अपने तथा परिवार के अन्य सदस्यों के आपसी रिश्तों की पहचान कर पाता है।
- स्थानीय व्यवसायों से जुड़े व्यक्तियों के कार्यों एवं उनसे सम्बन्धित उपकरणों के नाम बताता है।
- घर/विद्यालय में क्यारी निर्माण कर छोटे-छोटे पौधों को लगाकर उनकी देखभाल करता है।
- जल के विभिन्न स्रोतों के नाम तथा जल-प्रदूषित होने के कारणों एवं बचावों को बताता है।
- अपने स्थानीय मेले एवं किसी स्थान की यात्रा का वर्णन अपने शब्दों में करता है।
- अपने परिवेश में घटने वाली विभिन्न मौसम सम्बन्धी घटनाओं के प्रति जागरूक है।
- अपने क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों जैसे ग्राम-प्रधान, लेखपाल, तहसीलदार आदि के नाम बताता है।

कक्षा-5

- विशिष्ट योग्यता/दिव्यांग व्यक्ति के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करते हुए उनकी मदद करता है।
- ऊर्जा के परम्परागत एवं गैर परम्परागत स्रोतों की जानकारी रखता है।
- पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक है जैसे वृक्षारोपण करना, कूड़ेदान का प्रयोग करना इत्यादि।
- अपने देश के राष्ट्रीय पक्षी तथा प्रतीकों को जानता व पहचानता है तथा उनका वर्णन करता है।
- विभिन्न प्रकार की फसलों एवं उनको उपजाने के चरणों को बताता है।
- वनों के महत्व को समझता है तथा उनसे प्राप्त उत्पादों के बारे में बताता है।
- शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु विभिन्न खेलों में प्रतिभाग करने के साथ ही उनसे जुड़े प्रसिद्ध खिलाड़ियों के नाम बताता है।

पता- एस.सी.ई.आर.टी. कैम्पस, निशातगंज, लखनऊ
0522-2780385, 0522-2780505
वेबसाइट—www.scertup.co.in
dscertup@gmail.com
dscertup
dscertup

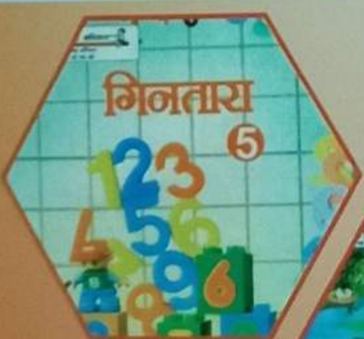

कक्षा-5

हमारा बच्चा

हिन्दी

- भाषा की विभिन्न विधाओं जैसे- कविता, कहानी, आत्मकथा व जीवनी आदि पर चर्चा करता है।
- लोक-कथाओं एवं लोकगीतों को विभिन्न अवसरों पर सुनाता है।
- नाटक में आये हुए पात्रों के बारे में बातचीत करता है, उन पर अभिनय एवं संवाद करता है।
- गद्यांश/पद्यांश में निहित भावों को समझता है और उनको उदाहरण के साथ बताता है।
- वस्तुओं के रैपर, अखबार में दिये गये विज्ञापन व सूचना आदि को पढ़कर समझता है तथा उस पर चर्चा करता है।
- दिये गये विषय पर अपनी कल्पना से कविता/कहानी लिखता है एवं उनको चित्र के रूप में प्रदर्शित करता है।
- लेखन में व्याकरण की इकाइयों (कारक, चिह्न, विशेषण आदि) का प्रयोग करता है।

गणित

- म०स० व ल०स० ज्ञात कर लेता है एवं ल०स० व म०स० का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर लेता है।
- करोड़ तक की संख्याओं का जोड़, घटाव, गुणा व भाग करते हुए उनका व्यवहारिक प्रयोग कर लेता है।
- व्यवहारिक जीवन में प्रतिशत, लाभ- हानि, ऐकिक नियम व साधारण ब्याज से सम्बन्धित प्रश्नों को हल कर लेता है।
- साधारण भिन्न एवं दशमलव भिन्न का जोड़, घटाव, गुणा व भाग कर लेता है। भिन्न एवं दशमलव संख्या को प्रतिशत में बदल लेता है।
- विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों का क्षेत्रफल व परिमाप ज्ञात कर लेता है तथा परिवेशीय उदाहरणों की सहायता से आयतन व धारिता की अवधारणा स्पष्ट कर लेता है

ENGLISH

- Expresses and shares experience in simple language.
- Answers the questions asked in the class and writes them in the notebook.
- Describes things in the surroundings in simple sentences.
- Solves the puzzles in the classroom.
- Narrates Stories.
- Understands, reads and writes the text.

पता- एस.सी.ई.आर.टी. कैम्पस, निशातगंज, लखनऊ
0522-2780385, 0522-2780505
वेबसाइट—www.scertup.co.in
dscertup@gmail.com
dscertup
dscertup

उच्च प्राथमिक विद्यालय हेतु पोस्टर (कक्षा 6-8)

कक्षा-6

हमारा बच्चा

हिन्दी

- काव्य रचनाओं जैसे- कविताएँ, दोहा, लोकगीत, आदि को मौखिक रूप से सुनाता है।
- रेडियो/टी.वी आदि पर सुनी/देखी गयी सामग्री को अपनी भाषा में **व्यक्त** करता है।
- श्रुतिलेख के दौरान वर्तनी का सही प्रयोग करता है।
- पाठ्य पुस्तक से अलग पत्र-पत्रिकाओ, पुस्तकों, इण्टरनेट पर उपलब्ध सामग्री को पढ़ता है तथा उस पर अपनी पसंद-नापसंद को मौखिक/लिखित रूप से **व्यक्त** करता है।
- विभिन्न सामाजिक मुद्दों जैसे- बाल- मजदूरी, अशिक्षा, स्वच्छता आदि पर विचार **व्यक्त** करता है, **प्रश्न** करता है व तर्क प्रस्तुत करता है।
- परिवेशीय लोककथाओं, लोकगीत, लोकोक्तियों को सुनाता है, चर्चा करता है व संकलन करता है।

गणित

- दैनिक जीवन में क्रय-विक्रय तथा लाभ-हानि से संबन्धित वार्तिक/इबारती प्रश्न हल कर लेता है।
- प्राकृतिक, पूर्ण एवं पूर्णांक संख्याओं का अन्तर करते हुए गणितीय संक्रियाये कर लेता है।
- पटरी और परकार की सहायता से 60°, 120°, 30° तथा 90° का कोण तथा विभिन्न प्रकार के त्रिभुजों(न्यूनकोण, अधिक कोण, समकोण त्रिभुज) की रचना कर लेता है। लम्ब, समान्तर एवं तिर्यक रेखा एवं उनसे बने कोणों को पहचान लेता है।
- वृत्त में परिधि, केन्द्र, जीवा, त्रिज्या, व्यास, अर्धवृत्त खण्ड, त्रिज्य खण्ड को प्रदर्शित कर लेता है।
- विभिन्न प्रकार के संकेतों जैसे-जोड़, घटाव, गुणा, भाग, कोष्ठक के क्रम को व्यवस्थित कर प्रश्न हल लेता है। (BODMAS)
- भिन्न से प्रतिशत एवं अनुपात, समानुपात के प्रश्न हल कर लेता है। मूलधन, ब्याज, दर, मिश्रधन व साधारण ब्याज की गणना कर लेता है तथा दैनिक जीवन में इसका प्रयोग कर लेता है।
- एक चर के रेखीय समीकरणों को हल कर लेता है। दैनिक जीवन पर आधारित प्रश्नों को समीकरणों द्वारा हल कर लेता है।
- सांख्यिकीय आँकड़ों को सारणी के रूप में व्यवस्थित कर लेता है। दैनिक जीवन में प्रयुक्त आँकड़ों को बारंबारता सारणी, चित्र आरेख, दण्ड आरेख द्वारा प्रदर्शित कर लेता है।

ENGLISH

- Reads stories, poems, articles, posters and advertisements with understanding using the Dictionary wherever required.
- Chooses the correct words in the context of parts of speech.
- Summarises stories with the help of visual orananiser.
- Writes short compositions/paragraphs on various topics e.g. games, festivals etc. with the help of visual/verbal/print clues.
- Reads aloud with correct pronunciation and modulation of voice.
- Understands the use of antonyms and synonyms.
- Enacts a story or speaks English through Dialogues.
- Identifies main ideas, characters in text read or Heard.
- Understands and posesses moral values like honesty, perseverance, truthfulness, love and care for human-beings, animals and pets etc. in daily life.

SARVA SHIKSHA ABHIYAN

पता- जे.बी.टी.सी. कैंपस, निशातगंज, लखनऊ
0522-2780385, 0522-2780505
वेबसाइट—www.scertup.co.in
dscertup@gmail.com
dscertup
dscertup

कक्षा-6

हमारा बच्चा

विज्ञान

- पदार्थ को ठोस, द्रव व गैस अवस्थाओं में वर्गीकृत कर लेता है।
- वायु एवं जल की उपयोगिता तथा इनके संरक्षण का महत्व जानता है।
- प्रमुख मापन उपकरणों जैसे-थर्मामीटर, तराजू, फीता आदि का उपयोग करना एवं मापन इकाईयों के मात्रकों को जानता है।
- विभिन्न पोषक तत्वों एवं संतुलित आहार की आवश्यकता को जानता है।
- बल एवं गति की अवधारणा को सरल प्रयोगों द्वारा प्रदर्शित कर लेता है।
- पौधे के विभिन्न भागों एवं उनके कार्यों को जानता है।
- **व्यक्तिगत** व विद्यालयी स्वच्छता के तरीकों को जानता है।
- कम्प्यूटर के अंग, प्रकार एवं उपयोग को जानता है।

भूगोल

- ग्रह और उपग्रह में अन्तर स्पष्ट कर उनकी विशेषताएँ बता लेता है।
- सूर्यग्रहण और चन्द्रग्रहण की घटनाओं के कारणों को जानता है एवं व्यवहारिक जीवन में उनके प्रभाव को जानता है।
- मानचित्र में प्रदर्शित परम्परागत रूढ़ **चिह्नों**/संकेतों का व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करता है।
- अक्षांश एवं देशान्तर रेखाओं की आवश्यकता एवं महत्व बता लेता है।
- पृथ्वी की गतियों से होने वाले विभिन्न प्रभावों (ऋतु परिवर्तन, मौसम पर प्रभाव आदि) को बता लेता है।
- **विश्व** के महाद्वीपों, महासागरों एवं जलधाराओं की अवस्थिति को मानचित्र में प्रदर्शित कर लेता है।
- भारत के राज्यों एवं पड़ोसी देशों की अवस्थिति को मानचित्र पर दर्शा लेता है।
- भारत के प्राकृतिक भू-भागों, जलवायु एवं प्राकृतिक वनस्पतियों का आपस में सहसंबंध को बता लेता है।

इतिहास तथा नागरिक जीवन

- इतिहास की जानकारी हेतु साहित्यिक एवं पुरातात्विक स्रोतों की जानकारियों को समझता है।
- कालक्रमानुसार आरम्भिक मानव के विकास की प्रक्रिया के अंतर्गत आये परिवर्तनों को जानता है।
- वैदिक कालीन समाज व्यवस्था की प्रमुख विशेषताओं को बता लेता है।
- जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म की प्रमुख शिक्षाएँ एवं उनके महत्व को समझता है।
- मौर्य एवं गुप्तवंशकालीन सामजिक, सांस्कृतिक विशेषताओं का वर्णन कर लेता है।
- दक्षिण भारतीय प्रमुख राजवंशों के विकास, विशिष्टियों एवं उपलब्धियों को जानता है।
- प्रतीक **चिह्नों** के महत्व एवं उपयोगिता को समझता है।
- स्थानीय स्वशासन के विभिन्न अंगों व उनके कार्यों से परिचित है।

पता- जे.बी.टी.सी. कैंपस, निशातगंज, लखनऊ
0522-2780385, 0522-2780505
वेबसाइट—www.scertup.co.in
dscertup@gmail.com
dscertup
dscertup

कक्षा-7

हमारा बच्चा

हिन्दी

- स्थानीय मेले, कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय- धार्मिक पर्वों की उपयोगिता एवं महत्व पर चर्चा करता है।
- पठित सामग्री की घटनाओं, एवं परिस्थितियों की कल्पना करता है। विचारों को अपनी मौखिक / सांकेतिक, भाषा में व्यक्त करता है।
- रेडियो / दूरदर्शन पर सुने देखे गये कार्यक्रमों पर अपने विचार व्यक्त करता है, प्रश्न करता है एवं चर्चा करता है।
- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के बाद उससे सम्बन्धित अन्य जानकारी हेतु शब्दकोश, विकिपीडिया और इन्टरनेट का प्रयोग करता है।
- विभिन्न कार्यक्रम जैसे. बालसभा, राष्ट्रीय पर्व, आयोजन आदि की रिपोर्ट तैयार करता है।
- विविध उद्देश्यों पर लेखन करते समय शब्द, वाक्य संरचना, भाषागत पदों एवं विरामादि चिन्हों का उचित प्रयोग करता है।

गणित

- त्रिभुज के केन्द्रक, लम्बकेन्द्र, परिकेन्द्र, और अन्तः केन्द्र की अवधारणा को चित्र की सहायता से स्पष्ट कर लेता है।
- पूर्णांक तथा परिमेय संख्याओं में अन्तर कर तुलना कर लेता है। छोटी व बड़ी संख्याओं को घातांक के रूप में व्यक्त कर लेता है।
- आकड़ों को पाई चार्ट (वृत्तारेख) में प्रदर्शित कर लेता है तथा समान्तर माध्य ज्ञात कर लेता है।
- रेखाखण्ड व कोण को समद्विभाजित कर लेता है तथा कोण एवं समान्तर रेखाओं की रचना कर लेता है।
- ज्यामितीय आकृतियों के परिमाप व क्षेत्रफल ज्ञात कर लेता है।
- दैनिक जीवन की समस्याओं को रेखीय समीकरण के रूप में व्यक्त कर, हल कर लेता है।
- त्रिभुज के विभिन्न प्रकारों को समझ लेता है। पाइथागोरस प्रमेय की अवधारणा सत्यापित कर लेता है।अनुपात, लाभ-हानि, साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज की गणना कर व्यवहारिक जीवन में इनका उपयोग कर लेता है।
- बीजगणितीय व्यंजकों को गुणा कर लेता है सर्वसमिकओं का प्रयोग कर गुणनखण्ड कर लेता है।

ENGLISH

- Understands and defines moral values like honesty, truthfulness etc. and tries to inclucate them.
- Reads stories/texts and summarises orally as well as in writing.
- Attempts creative and meaningful writing like making invitation cards, greetings, recipe cards etc.
- Organises idea. and information in logical sequence.
- Infers meaning of the text by reading.
- Talks about the environment, village, town, state/country.
- Shares personal experiences on visits, festivals etc. in pairs/groups.
- Writes short stories using verbal clues/pictures.

SARVA SHIKSHA ABHIYAN
EDUCATION FOR ALL

पता- जे.बी.टी.सी. कैंपस, निशातगंज, लखनऊ
0522-2780385, 0522-2780505
वेबसाइट—www.scertup.co.in
dscertup@gmail.com
dscertup
dscertup

कक्षा-7

हमारा बच्चा

विज्ञान

- पौधों में भोजन बनने की प्रक्रिया को जानता है।
- दर्पण के प्रकार एवं उपयोग को जानता है।
- तत्वों के प्रतीक एवं यौगिक को प्रतीक चिन्हों के रूप में लिखने की प्रक्रिया को जानता है।
- ऊर्जा के प्रकार, उपयोग एवं रूपांतरण तथा उसके वैकल्पिक स्रोत से परिचित है।
- मानव जीवन की पौधों व जन्तुओं पर निर्भरता एवं उनके आर्थिक महत्व को जानता है।
- ध्वनि के स्रोत, प्रकार, तीव्रता, संचरण व उसका ज्ञानेंद्रियों पर प्रभाव को जानता है।
- अम्ल व क्षार की पहचान करना एवं उनके उपयोग को जानता है।
- ऊष्मा संचरण की विधियों को जानता है।

भूगोल

- पृथ्वी की आन्तरिक परतों की विशेषताओं को जानता है।
- प्रमुख प्राकृतिक आपदाओं की उत्पत्ति के कारण जानता है एवं प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के उपयों पर चर्चा करता है।
- वायुमंडल के प्रमुख तत्वों (तापमान, वायु, वर्षा, आर्द्रता आदि) के सहसम्बन्ध को जानता है एवं प्रभावों को बता लेता है।
- विश्व मानचित्र पर समुद्री धाराओं, जलवायु प्रदेशों, हवाओं आदि को प्रदर्शित करने की समझ रखता है।
- चट्टानों के बनने की प्रक्रिया, प्रकार, महत्व एवं उपयोग को बता लेता है।
- प्रमुख जलवायु प्रदेशों के लक्षणों एवं उनके क्षेत्रों को बता लेता है।
- विश्व के प्राकृतिक प्रदेशों के मौसम एवं मानव जन-जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को बता लेता है।
- समुद्री धारओं एवं हवाओं के मार्गों एवं उनके प्रभावों को जानता है।

इतिहास तथा नागरिक जीवन

- धर्मों के उदय, प्रसार व विशिष्टियों को जानता है।
- सल्तनतकालीन प्रशासनिक विशिष्टियों के विकास एवं पतन को व्यक्त कर लेता है।
- भक्तिकालीन संतों व उनकी शिक्षाओं को बता लेता है।
- मध्यकालीन दक्षिण भारतीय राज्यों, उनके विकास एवं विशिष्टियों को जानता है।
- मुगलकालीन शासन प्रबन्ध, स्थापत्य एवं चित्रकला के बारे में बता लेता है।
- मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों का व्यवहारिक जीवन में अनुप्रयोग जानता है।
- सरकार के अंगों (व्यवस्थापिका, कार्यपालिका, व न्यायपालिका) के प्रमुख कार्यों को बता लेता है।
- शक्ति विभाजन की आवश्यकता को जानता है तथा संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची की उपादेयता को बता लेता है।

SARVA SHIKSHA ABHIYAN
EDUCATION FOR ALL

पता- जे.बी.टी.सी. कैंपस, निशातगंज, लखनऊ
0522-2780385, 0522-2780505
वेबसाइट—www.scertup.co.in
dscertup@gmail.com
dscertup
dscertup

कक्षा-8

हमारा बच्चा

हिन्दी

- गद्य एवं पद्य की विभिन्न विधाओं की विशेषताओं एवं उनके अन्तर को समझते हुए आपस में चर्चा करता है।
- रेडियो एवं दूरदर्शन पर सुने-देखे गये कार्यक्रमों पर भाषागत विशेषताओं के साथ अपने विचार व्यक्त करता है।
- अपठित पद्यांश / गद्यांश को पढ़कर / सुनकर पूछे गये प्रश्नों का उत्तर देता तथा शीर्षक निर्माण करता है।
- सामाजिक मुद्दों पर आधारित किसी कहानी/जीवनी / घटना को सुनकर उसमें निहित सामाजिक/मानवीय मूल्यों पर चर्चा करता है।
- विभिन्न कार्यक्रम जैसे- बालसभा, राष्ट्रीय पर्वों आदि की रिपोर्ट/समाचार बनाना, नोटिस बनाना जैसे - कार्यों का प्रस्तुतीकरण करता है।

गणित

- किसी कार्तीय तल में बिन्दु की स्थिति का आंकलन कर लेता है।
- सम्भावना की सांख्यिकी पर आधारित प्रश्नों जैसे- सिक्के के उछालने, पांसा फेंकने जैसी क्रियाओं को हल कर लेता है।
- पटरी और परकार की सहायता से विभिन्न प्रकार के चतुर्भुजों तथा वृत्त की रचना कर लेता है।
- बैंकिंग गतिविधियाँ जैसे खाता खोलना, बैंक ड्राफ्ट, लाकर, चेक के प्रकार, पासबुक की प्रविष्टियाँ, शेयर, लाभांश और ऋणपत्र के विषय में बता लेता है।
- दो अज्ञात राशियों वाले युगपत समीकरण बनाकर व्यावहारिक जीवन से जुड़े वार्तिक / इबारती प्रश्न हल कर लेता है।
- दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाली ज्यामितीय आकृतियों का क्षेत्रफल, घन, घनाभ, बेलन एवं शंकु का पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन ज्ञात कर लेता है।
- सर्वसमिकाओं का अनुप्रयोग कर व्यंजकों का गुणा, भाग एवं गुणनखण्ड कर लेता है।
- परिमेय संख्याओं पर संक्रियाएँ कर लेता है। वर्ग, वर्गमूल, घन व घनमूल में अन्तर कर लेता है।
- वृत्त की स्पर्श रेखा व छेदक रेखा में अन्तर कर लेता है।
- दैनिक जीवन के सामान्य आँकड़ों के लिए विभिन्न केन्द्रीय माध्यिका एवं बहुलक की गणना कर अनुप्रयोग कर लेता है।

ENGLISH

- Expresses his ideas/views on different situations related to culture, customs and traditions.
- Speaks about different events in or outside the school.
- Delivers short speeches on fairs, festivals and disasters.
- Frames correct sentences with proper use of tenses.
- Takes part in poetry, quiz, drama etc.
- Writes formal/informal Letters, personal experiences, descriptions.
- Reads variety of text and refers to the dictionary where and whenever needed.
- Writes paragraphs, short stories, essay on the basis of pictures of clues.

पता- एस.सी.ई.आर.टी. कैम्पस, निशातगंज, लखनऊ
0522-2780385, 0522-2780505
वेबसाइट—www.scertup.co.in
dscertup@gmail.com
dscertup
dscertup

कक्षा-8

हमारा बच्चा

विज्ञान

- रुधिर वर्ग की जानकारी एवं रक्तदान की आवश्यकता जानता है।
- ईंधन के स्रोत एवं आवश्यकता को जानता है।
- प्रकाश के अपवर्तन, परावर्तन एवं उनके कारण दैनिक जीवन में घटित घटनाओं को जानता है।
- सूक्ष्मजीवों के प्रकार एवं रोगाणुजनक सूक्ष्मजीवों से सुरक्षा की विधियों को जानता है।
- विद्युत धारा के प्रयोग के तरीकों को जानता है।
- कुपोषण का किशोरावस्था पर प्रभाव एवं बाल्यावस्था में प्रतिरक्षण के तरीकों को जानता है।
- परमाणु की संकल्पना व उसके मूल कणों में अंतर को जानता है।
- पौधों एवं जन्तुओं के जलीय, स्थलीय एवं वायवीय अनुकूलन को जानता है।

भूगोल

- भारत के प्रमुख औद्योगिक केन्द्रों एवं उनकी अवस्थापना के कारकों को बता लेता है।
- ऊर्जा के प्रमुख संसाधनों की आवश्यकता महत्व एवं उपयोगिता को जानता है।
- जनसंख्या की मूलभूत विशेषताओं (आयु, लिंग, साक्षरता, घनत्व आदि) का सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को जानता है।
- भारत की प्रमुख कृषि फसलों को उनके प्रकार, समय, उपज एवं जलवायु दशाओं के आधार पर वर्गीकरण कर लेता है एवं उनके उत्पादन क्षेत्रों को जानता है।
- खनिज पदार्थों का वर्गीकरण एवं संचित भण्डार वाले राज्यों को जानता है एवं दैनिक जीवन में खनिजों का आर्थिक महत्व बता लेता है।
- भारत के महत्वपूर्ण स्थल, जल एवं वायुमार्गों को जानता है एवं यातायात के साधनों की उपयोगिता एवं महत्व को बता लेता है।
- सिंचाई के साधनों के प्रकार एवं उपयोग को जानता है। चकबंदी व हरितक्रांति की कृषि में उपयोगिता बता लेता है।
- व्यापार के लिए आयात निर्यात का महत्व एवं संचार के साधनों की उपयोगिता बता लेता है।

इतिहास तथा नागरिक जीवन

- देश की सुरक्षा हेतु सेना की आवश्यकता एवं महत्व को बता लेता है।
- लोकतंत्रात्मक शासन प्रणाली की विशेषताएँ बता लेता है।
- भारत में अंग्रेजों के आगमन व उनकी सफलता के कारणों का विश्लेषण कर लेता है।
- प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख कारणों एवं परिणामों को बता लेता है।
- प्रमुख समाज सुधारकों एवं उनके योगदान को बता लेता है।
- चुनाव की आवश्यकता, प्रक्रिया एवं महत्व को बता लेता है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ की आवश्यकता एवं महत्व को बता लेता है।
- स्वतंत्र भारत की तत्कालीन चुनौतियों एवं उनके निराकरण हेतु किये गये प्रयासों को बता लेता है।
- स्वतंत्रता आन्दोलनों एवं उनके प्रभावों का वर्णन कर लेता है।

पता- एस.सी.ई.आर.टी. कैम्पस, निशातगंज, लखनऊ
0522-2780385, 0522-2780505
वेबसाइट—www.scertup.co.in
dscertup@gmail.com
dscertup
dscertup

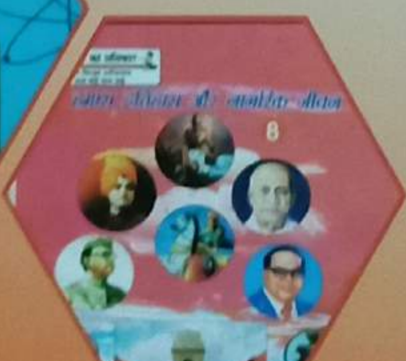

शिक्षण संबंधी परिणाम
(Learning Outcomes)
(कक्षा–1 से कक्षा–3)

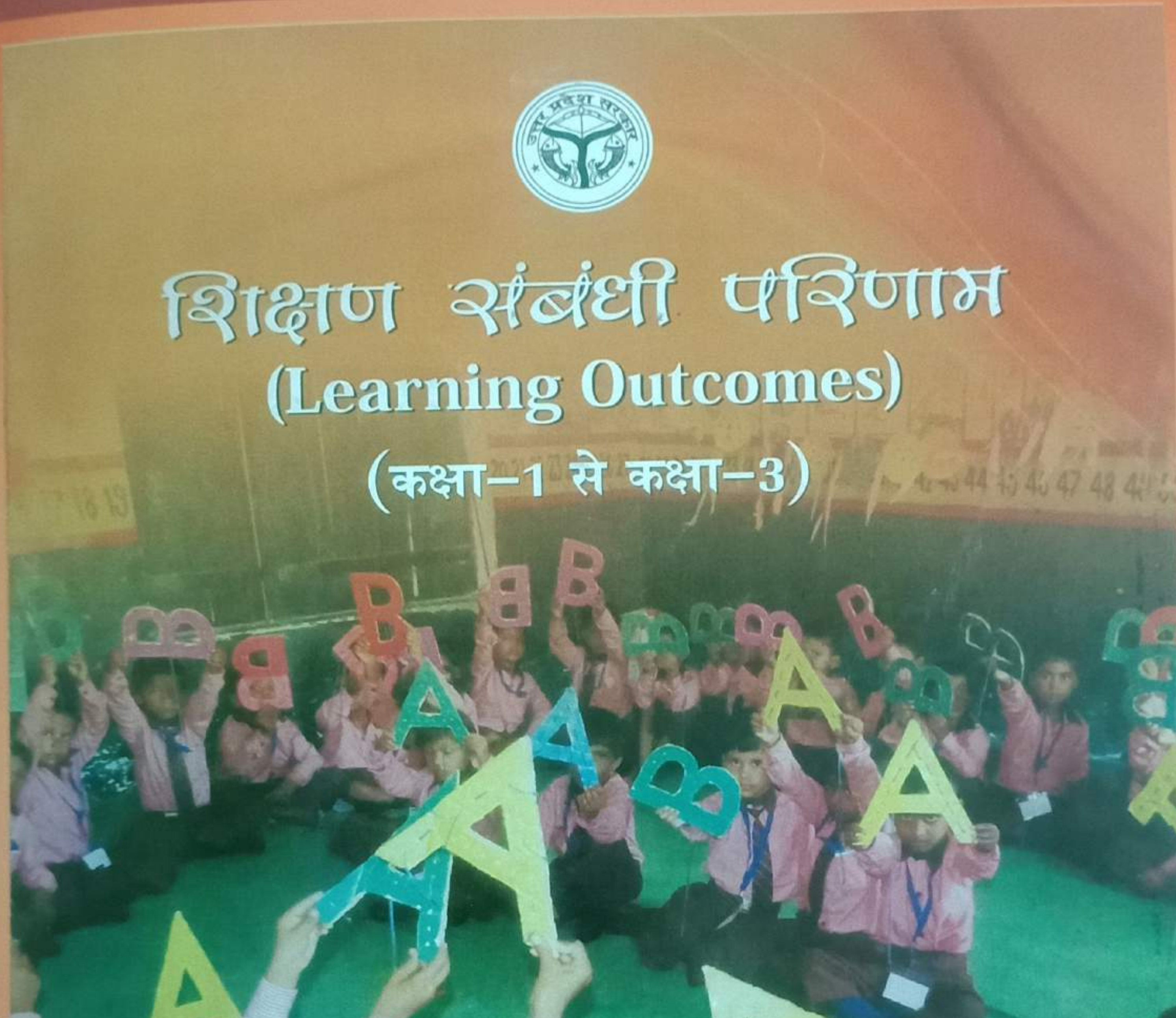

शिक्षण संबंधी परिणाम (Learning Outcomes)

(कक्षा 4 से कक्षा 8)

विद्यालय जाने वाले बच्चों के माता–पिता तथा अभिभावकों के लिए यह जानना उपयोगी होगा कि उनके बच्चे को किसी कक्षा तथा उसमें पढ़ाये जाने वाले विषयों में क्या सीखना चाहिए तथा वह कितना सीख रहा है। यह जानकारी होने पर बच्चों की सीखने में मदद की जा सकती है तथा उनके शिक्षकों से चर्चा की जा सकती है। इस प्रकार बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार होगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा कक्षा 1 से 8 के बच्चों के लिए 'शिक्षण संबंधी परिणाम' तैयार कराये गये हैं। इनसे यह जाना जा सकेगा कि बच्चे को किसी कक्षा में तथा किसी विषय में कितना सीखना चाहिए। कक्षा 1 से 8 में विषयवार शिक्षण सम्बन्धी परिणामों के बारे में जानकारी देने के लिए पोस्टर तथा अभिभावकों के लिए यह पत्रक तैयार किया गया है। इस पत्रक में दिये गये बिन्दुओं के आधार पर आप यह जान सकेंगे कि किसी कक्षा तथा विषय में आपके बच्चे को कितना सीख लेना चाहिए था तथा उसने कितना सीख लिया है। आप अपने बच्चे के सीखने के संबंध में उसके शिक्षकों से, अपने परिवार के सदस्यों से एवं अन्य बच्चों से चर्चा कर सकते हैं, जिससे आपका बच्चा उस कक्षा के लिए तय किये गये परिणामों को प्राप्त कर सके। बच्चों के सीखने के प्रति उत्तरदायित्व की दृष्टि से इन शिक्षण संबंधी परिणामों को उ0प्र0 निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2017 में सम्मिलित भी किया गया है।

पत्रक के संबंध में अभिभावकों से अपेक्षाएं– बच्चों के विषयवार शिक्षण संबंधी परिणाम एक बॉक्स में दिये गये हैं। प्रत्येक परिणाम के सामने आपको सही (✓) अथवा गलत (X) का निशान लगाना है। जिन चीजों को बच्चा जानता है एवं कर लेता है, उनके आगे सही (✓) का निशान लगायें। जिन बिन्दुओं पर आप बच्चे के सीखने के स्तर से संतुष्ट नहीं हैं, उस पर गलत (X) का निशान लगायें। बच्चे के शिक्षक को बतायें कि बच्चा यह बिन्दु नहीं जानता है और उसे नहीं कर पा रहा है। आप द्वारा दी गयी इस जानकारी के आधार पर शिक्षक आपके बच्चे के सीखने के स्तर को सुधार सकेंगे। बच्चों के सीखने के स्तर को जानने के साथ–साथ नीचे दी गयी बातों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है–

1. बच्चे में साफ–सफाई से रहने की आदतें डालने में मदद करें– जैसे– रोज नहाना, बाल एवं नाखून काटना, समय से सोना एवं जागना, समय से शौच क्रिया, साबुन से हाथ धुलना।
2. बच्चे को रोज समय से विद्यालय भेजें।
3. बच्चे को साफ–सुथरी यूनीफॉर्म / ड्रेस में विद्यालय भेजें।
4. बच्चे के बस्ते में कॉपी, किताब, पेंसिल आदि जरूर रखें।
5. बच्चे के घर से विद्यालय जाने तथा विद्यालय से घर आने की सुरक्षा का ध्यान रखें।
6. विद्यालय से आने के बाद बच्चे से पूछें कि आज विद्यालय में क्या–क्या कराया गया।
7. बच्चों से गलती होने पर उन्हें मारे नहीं, बल्कि प्यार से समझायें।
8. शिक्षक के बुलाने पर तथा शिक्षक–अभिभावक बैठक होने पर विद्यालय जरूर जायें। अपने बच्चे के व्यवहार, आदतों एवं पढ़ने–लिखने के संबंध में उसके शिक्षक से जानकारी प्राप्त करें तथा बातचीत करें।

प्राथमिक स्तर (कक्षा-4)

क्र.सं.	हिन्दी विषय में हमारा बच्चा ..... स्थिति	✓	X
1	कविता / कहानी को हावभाव के साथ सुनाता है।		
2	कविता / कहानी को आरोह अवरोह व धारा–प्रवाह के साथ पढ़ता है।		
3	घटनाओं को मौखिक व लिखित रूप में व्यक्त करने के दौरान नये शब्दों का प्रयोग करता है।		
4	किसी निश्चित विषय पर 5–6 वाक्य बोलता व लिखता है।		
5	उचित विरामचिह्नों आदि का प्रयोग करता है।		
6	दिये गये वाक्यों में संज्ञा / सर्वमान / विशेषण को बताता है।		
7	अपनी आवश्यकता के अनुसार प्रार्थना–पत्र को लिखता है।		
8	अपनी पसंद की किताबों / कहानियों / कविताओं के बारे में चर्चा करता है।		
9	अपनी कल्पना का प्रयोग करते हुये अधूरी कविता / कहानी को पूर्ण करता है।		
10	अपने आस–पास विभिन्न पढ़ने योग्य सामग्री का उपयोग करते हुये उनमें नैतिकता व शिष्टाचार की बातों को चिन्हित करता है व अपने दैनिक जीवन में उपयोग में लाता है।		
11	सुन्दर लेख के लिए सुलेख का प्रयोग करता है।		
12	छोटे–छोटे वाक्यों के रूप में दिये गये निर्देशों का पालन करता है।		

शिक्षक-शिक्षा एवं कक्षा-शिक्षण के स्तरोन्नयन की ओर कदम...

- शिक्षकों / छात्र-छात्राओं / अभिभावकों के लिए पाठ से सम्बन्धित अतिरिक्त अध्ययन सामग्री ऑन-लाइन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2018-19 में प्रदेश में प्रचलित कक्षा 1-8 की पाठ्यपुस्तकों में QR Code डाले गयें।
- बच्चों के अधिगम (ज्ञान, समझ, कौशल व अनुप्रयोग) के मूल्यांकन करने के उद्देश्य से एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा 'शिक्षण सम्बन्धी परिणाम' अभिलेख का विकास किया गया।
- उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद की कक्षा-1 से 8 तक की समस्त पाठ्यपुस्तकों का डिजीटल संस्करण 'ई-पोथी' का निर्माण कर वेबसाइट (www.scertup.org.in) पर प्रदर्शित किया गया।
- कक्षा-शिक्षण में किये जाने वाले नवाचारों तथा शिक्षण से संबंधित कठिनाइयों के सरल उपायों को साझा करने के उद्देश्य से विषयवार 'Professional Learning Communities' (PLC) का गठन किया गया। PLC द्वारा अपने नवाचारों को सोशल मीडिया के माध्यम से अन्य शिक्षकों से साझा किया जाता है।
- सभी डी0एल0एड0 प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को पहचान पत्र (I-Card) निर्गत किये जाते हैं।
- शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों, महाविद्यालयों व विभिन्न विश्वविद्यालयों के विषयवार अच्छे शिक्षकों / विद्वानों का pool तैयार कराने तथा उन्हें प्रशिक्षण हेतु आमंत्रित करने के निर्देश एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा जनपदों को दिये गये हैं।
- डायट्स द्वारा सेवापूर्व, सेवारत प्रशिक्षण एवं संस्थान की समस्त गतिविधियाँ निर्धारित समय पर आरम्भ करने हेतु शैक्षिक कैलेण्डर का विकास तथा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।
- डायट द्वारा डी0एल0एड0 प्रशिक्षणार्थियों को अपने आस-पास के कम से एक निरक्षर व्यक्ति को साक्षर बनाने संबंधी प्रोजेक्ट कार्य कराने के निर्देश दिये गयें। इसके साथ ही निजी डी0एल0एड0 प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षुओं को भी कम से कम 15 निरक्षरों को साक्षर बनाने संबंधी प्रोजेक्ट कार्य के निर्देश दिये गये। यह प्रशिक्षुओं के आंतरिक मूल्यांकन का हिस्सा होगा।
- सभी 6 से 14 वय वर्ग के बच्चों का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में 'एक प्रशिक्षु एक प्रवेश' योजना प्रारंभ की गयी है जिसमें प्रत्येक डी0एल0एड0 प्रशिक्षु द्वारा एक आउट ऑफ स्कूल बच्चे का नजदीक के विद्यालय में प्रवेश कराया जाता है तथा इसका लगातार अनुश्रवण किया जाता है।

संस्कृत कार्यशाला से बढ़ा प्रशिक्षुओं में आत्मविश्वास

- संस्कृत के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ एवं उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम् के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृत वाग्व्यवहार कार्यशाला राज्य स्तर पर आयोजित की गयी। राज्य स्तर पर 56 हिन्दी विषय के डायट प्रवक्ताओं तथा जनपद स्तर पर 6341 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- डायट्स द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों के साथ नियमित रूप से बैठकों का

आयोजन किया जाता है जिसमें शैक्षिक गुणवत्ता पर चर्चा के साथ-साथ उनकी समस्याओं एवं उनके समाधान पर भी चर्चा की जाती है।

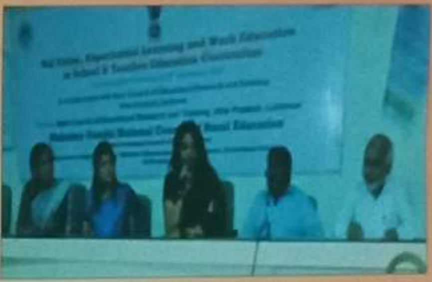

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद के सहयोग से एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ में "Nai Talim Experiential Learning and Work Education in School & Teacher Education Curriculum" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- आई0जी0आर0एस0 एवं जनसूचना के अन्तर्गत प्राप्त प्रकरणों का समयान्तर्गत तथा नियमों के आलोक में निस्तारण समयबद्ध रूप से किया जाता है।
- विद्यालय ग्रेडिंग हेतु 'शिक्षण सम्बन्धी परिणाम* (Learning Outcome) आधारित Test Tool का विकास कराया गया है। इनके आधार पर हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के बहुविकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से कक्षा- 1 से 8 के बच्चों के ज्ञान, समझ एवं कौशल का आकलन करते हुए विद्यालयों की ग्रेडिंग की जायेगी।
- शिक्षक प्रशिक्षण गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु परिषद के अधिकारियों द्वारा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों, निजी डी0एल0एड0 संस्थानों तथा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान अन्य के साथ-साथ कक्षा शिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष रूप से चर्चा की जाती है।

- 18 मंडल मुख्यालय जिलों के चयनित एक-एक उच्च प्राथमिक विद्यालयों में केयर-इण्डिया के सहयोग से शिक्षक संसाधन प्रयोगशाला (लैब) स्थापित की गयी है, जिसमें गणित किट (Upper Primary), गणित किट (Primary Level), विज्ञान किट, विज्ञान संदर्भ सामग्री (सेट), सन्दर्भ सामग्री-STEM Books प्रोजेक्टर टेबलेट साउंड सिस्टम (2.1 बूफर) अलमारी, दरी White Board, Laboratory Items-Experiment Kit उपलब्ध कराये गये हैं। शिक्षक संसाधन प्रयोगशाला में STEM (साइंस, टेक्नोलॉ जी, इंजीनियरिंग मैनेजमेन्ट) को लेकर गणित व विज्ञान विषय में शिक्षको का क्षमता संवर्धन किया जाता है। साथ ही उपलब्ध कराये गये संसाधनों के बेहतर उपयोग हेतु राज्य स्तर पर संदर्भ दाताओं के सहयोग से समय-समय पर संबंधित विद्यालय के शिक्षकों के प्रशिक्षण व जिला शिक्षा अधिकारियों, डायट प्रवक्ताओं हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं।

- वर्ष 2016 से लैंग्वेज एण्ड लर्निंग फाउण्डेशन के सहयोग से 09 माह का प्रारंभिक भाषा शिक्षण सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किया जा रहा है। यह कोर्स प्रारम्भिक कक्षाओं में

भाषा और साक्षरता पर व्यावसायिक क्षमता के लिए दूरस्थ शिक्षा पद्धति (डिस्टेन्स लर्निंग मोड) के रूप में संचालित किया जा रहा है।

- मनोविज्ञानशाला उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा छात्र-छात्राओं एवं युवाओं/वयस्कों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं के दृष्टिगत निःशुल्क निर्देशन एवं परामर्श शिविर आयोजित किये जाते हैं जिसमें छात्रों एवं अभिभावकों के मनोवैज्ञानिक परीक्षण उपरान्त विशेषज्ञों द्वारा अपेक्षित निर्देशन एवं परामर्श प्रदान किया जाता है।

- गुणवत्ता संवर्द्धन हेतु संचालित अन्य कार्यक्रम-
- पीयर कोचिंग
- नवाचार खोज, संकलन एवं नवाचार मेला
- इंटर्नशिप मैनुअल का विकास
- शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों की ग्रेडिंग
- शिक्षक-प्रशिक्षण App तथा शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की ग्रेडिंग हेतु मोबाइल ऐप्लीकेशन GraDIET का विकास

- क्षेत्रीय बोलियों में प्राइमर का विकास
- पाठ्यपुस्तकों का क्षेत्रीय भाषा में विकास
- निष्पादन संकेतकों का विकास
- आउट ऑफ स्कूल बच्चों हेतु 'आगमन' App का विकास
- छात्र एवं शिक्षक ओलम्पियाड
- बच्चों का नामांकन, उपस्थिति तथा अधिगम सम्प्राप्ति के संवर्द्धन हेतु प्रयासरत शिक्षकों की पहचान एवं प्रोत्साहन।
- कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्यपुस्तकों के कठिन सम्बोधों का चयन एवं उनके लिए गतिविधियों का विकास।
- प्रत्येक विकासखण्ड में 10 सबसे कम नामांकन वाले विद्यालय तथा 10 सबसे कम अधिगम स्तर वाले विद्यालयों का चिह्नांकन तथा इन विद्यालयों में सुधार हेतु विद्यालय विकास योजना का विकास।
- प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर के सभी शिक्षकों को शिक्षण सम्बन्धी परिणाम (Learning Outcome) आधारित प्रशिक्षण प्रदान करना तथा अपेक्षित परिणामों की कक्षा-कक्ष में सम्प्राप्ति को सुनिश्चित कराना।
- बच्चों का नामांकन, उपस्थिति तथा अधिगम सम्प्राप्ति के संवर्द्धन हेतु प्रयासरत शिक्षकों की पहचान एवं प्रोत्साहन।
- मॉडल प्रश्न-पत्र का निर्माण।

सर्वेक्षण

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा विभिन्न प्रकार के शैक्षिक सर्वेक्षण, उपलब्धि सर्वेक्षण, विद्यालयी शिक्षा सर्वेक्षण आदि कराये जाते हैं। एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण के साथ-साथ एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली तथा अन्य वाह्य संस्थाओं के सर्वेक्षण भी कराये जाते हैं।

राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण के माध्यम से राज्य में बच्चों के शैक्षिक स्वास्थ्य का परीक्षण किया जाता है जो यह चिह्नित करने में मदद करता है कि विद्यार्थी शैक्षिक चक्र के विशिष्ट चरणों में क्या जानते हैं और क्या कर सकते हैं। उपलब्धि सर्वेक्षण शिक्षा व्यवस्था की अवस्था को समझने तथा नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं तथा अध्यापकों को फीडबैक प्रदान करने में तथा विद्यार्थी के अधिगम स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा वर्ष 2013-14 से सर्व शिक्षा अभियान योजना के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं के शैक्षिक अधिगम का आकलन करने के लिए राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण कराया जा रहा है।

- प्रथम राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण वर्ष 2013-14 में कराया गया जिसके अंतर्गत कक्षा 4 एवं कक्षा 7 के छात्रों का उपलब्धि सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 10 जनपदों में कक्षा 4 के छात्रों का हिन्दी, गणित, अंग्रेजी एवं पर्यावरण अध्ययन विषय में तथा कक्षा 7 के छात्रों का हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, पर्यावरण अध्ययन, सामाजिक विज्ञान विषय में अधिगम उपलब्धि का आकलन किया गया। सर्वेक्षण में छात्रों का अधिगम निम्नवत् पाया गया-

विषय	कक्षा 4			कक्षा 7		
	N	AVG	SD	N	AVG	SD
हिन्दी	16893	47 %	21.8 %	17014	51 %	19.4 %
गणित	16893	40 %	22.3 %	17014	35 %	17.8 %
अंग्रेजी	17130	50 %	20.7 %	16937	42 %	19.3 %
विज्ञान	17130	42 %	20.8 %	16937	41 %	17.5 %
सामाजिक विषय	NA	NA	NA	16937	36 %	17.5 %

- वर्ष 2014-15 में द्वितीय राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण के अंतर्गत 75 जिलों में कक्षा-5 एवं कक्षा-8 के विद्यार्थियों का हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित एवं सामाजिक अध्ययन विषयों में सर्वेक्षण कराया गया। सर्वेक्षण में छात्रों का अधिगम निम्नवत् पाया गया-

विषय	कक्षा 5			कक्षा 8		
	Number	AVG	SD	Number	AVG	SD
हिन्दी	125847	55.70	8.54	125584	56.72	9.17
गणित	125622	53.05	8.40	126297	58.94	9.45
अंग्रेजी	126063	52.65	7.75	126642	54.22	8.76
सामाजिक विषय	124739	50.31	8.48	125874	56.00	9.22
विज्ञान	125532	54.19	8.42	127221	57.21	8.73

- वर्ष 2016-17 में सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत तृतीय राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण के अंतर्गत 75 जिलों में कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं के अधिगम स्तर का आकलन किया गया। सर्वेक्षण में छात्रों का अधिगम निम्नवत् पाया गया-

विषय	कक्षा–5	कक्षा–8
	AVG	AVG
हिन्दी	52.70	56.32
गणित	55.48	56.90
अंग्रेजी	57.06	57.59
सामाजिक विषय	55.16	54.56
विज्ञान	54.99	51.87

- वर्ष 2017 में एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कक्षा 3, 5 एवं 8 के छात्रों का 'राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण' (NAS) परिषद द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों में सफलता पूर्वक कराया गया।
- वर्ष 2018-19 में लर्निंग आउटकम आधारित स्कूल ग्रेडिंग हेतु प्रदेश के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के समस्त नामांकित छात्र-छात्राओं का सर्वेक्षण गतिमान है। इसके अंतर्गत कक्षा 1, 2 में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, कक्षा 3, 4, 5 में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरणीय अध्ययन तथा कक्षा 6, 7, 8 में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक अध्ययन एवं विज्ञान विषय में छात्र-छात्राओं का लर्निंग आउटकम आधारित सर्वेक्षण किया जायेगा। इस प्रकार का सर्वेक्षण प्रदेश में पहली बार कराया जा रहा है।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में कार्यरत जनशक्ति

क०सं०	नाम	पदनाम
1	2	3
1.	श्री संजय सिन्हा	निदेशक
2.	डॉ0 इश्तियाक अहमद	संयुक्त शिक्षा निदेशक (प्रशिक्षण)
3.	श्री अजय कुमार सिंह	संयुक्त निदेशक (एस0एस0ए0)
4.	श्री राजेन्द्र प्रसाद	उप शिक्षा निदेशक
5.	श्रीमती दीपा तिवारी	सहायक शिक्षा निदेशक
6.	श्रीमती पुष्पा रंजन	सहायक उप शिक्षा निदेशक (प्रशिक्षण) / प्रशासनिक अधिकारी
7.	श्रीमती शिवानी	सहायक उप शिक्षा निदेशक
8.	श्री रावेन्द्र सिंह बघेल	सहायक उप शिक्षा निदेशक
9.	श्री रामचन्द्रेश्वर दत्त बाजपेयी	सहायक उप शिक्षा निदेशक / जनसूचना अधिकारी
10	श्री प्रदीप वर्मा	विधि अधिकारी
11	श्री रामेश्वर प्रसाद पाल	विधि अधिकारी
12.	श्री मो0 मुशीर ज़ैदी	वित्त एवं लेखाधिकारी
13.	श्रीमती पूनम नौटियाल	शोध प्राध्यापक
14.	श्रीमती वत्सला पवार	शोध प्राध्यापक
15.	श्रीमती सुषुमलता पाल	शोध प्राध्यापक
16.	श्रीमती शुचि चतुर्वेदी	शोध प्राध्यापक
17.	श्रीमती मीनाक्षी यादव	प्रवक्ता (शोध)
18.	डॉ0 प्रदीप जायसवाल	प्रवक्ता (शोध)
19.	श्री धर्मेन्द्र कुमार सचान	प्रवक्ता (शोध)
20.	डॉ0 संदीप कुमार दूबे	प्रवक्ता (शोध)
21.	श्रीमती ममता टण्डन	प्रवक्ता (शोध)
22.	श्री रमेश चन्द्र मिश्र	वैयक्तिक सहायक (आशुलिपिक)
23.	श्री रवि शंकर श्रीवास्तव	वरिष्ठ सहायक
24.	श्री विवेक आशीष	वरिष्ठ सहायक
25.	श्रीमती प्रेमलता	वरिष्ठ सहायक (आशुलिपिक पद पर समायोजित)
26.	श्री देवेन्द्र कुमार सिंह	वरिष्ठ सहायक
27.	श्री हरिशंकर शुक्ला	वरिष्ठ सहायक
28.	श्री धनश्याम	वरिष्ठ सहायक
29.	श्री रवि शंकर श्रीवास्तव	वनिष्ठ सहायक
30.	श्री रमेश चन्द्र शुक्ला	कनिष्ठ सहायक
31.	श्री सुनील	वाद लिपिक
32.	श्री महेन्द्र सिंह	कनिष्ठ सहायक
33.	श्रीमती नीरू नारंग	कनिष्ठ सहायक
34.	श्री करमचन्द	कनिष्ठ सहायक
35.	श्री हरि मोहन	दफ्तरी
36.	श्री राधे लाल	ड्राइवर
37.	श्री भगौती प्रसाद	परिचारक
38.	श्री चन्द्रशेखर राय	परिचारक
39.	श्री परमेश पाल	परिचारक
40.	श्री कन्हैया	परिचारक
41.	श्रीमती कृष्णा कुमारी	परिचारक
42.	श्री गोकुल तिवारी	परिचारक

CENTRALLY SPONSORED SCHEME OF TEACHER EDUCATION

(Expenditure statement during year 2018-19)

State Council Of Educational Research & Training (SCERT) U.P

CENTRALLY SPONSORED SCHEME OF TEACHER EDUCATION

(Expenditure statement during year 2018-19 till 28.02.2019)

State council of educational research & Training (SCERT) U.P

Amount in Lakh

Sl.No.	Name of Institution	Component	Approved Budget 2018-19	Approved central Share 60%	Balance Central share of 17-18	Recived Central Share in 18-19	Avalable Central share in 18-19	Matching State Share 40%	Total amount availeblel in 18-19 (Central+ State Share)	Release funds from State Govt in 18-19 till date	Total Expenditure Till January 2019		
											Expenditure Central Share	Expenditure State Share	Total Expenditure
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
Recurring													
1	DIETs of U.P (70)	Salaries	5424.87	3254.92	-1321.33	1450.00	128.67	85.78	214.45	5424.86	-2505.90	2169.94	5424.86
		Programme and activites	2473.76	1484.26	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		Faclty Devlopment	1435.00	861.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		Technology in Teacher Education	170.40	102.24	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		Total	**9504.03**	**5702.42**	**-1321.33**	**1450.00**	**128.67**	**85.78**	**214.45**	**5424.86**	**-2505.90**	**2169.94**	**5424.86**
Non-Recurring													
1	DIETs of U.P (70)	Construction of new 4 DIETs (Amethi, Kasganj, Gaziabad, Shamli)	3001.00	1800.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		Equipments for DIETs	1400.00	840.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		Stranthning of 35 DIETs	4048.80	2429.28	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		Girls Hostal for DIET Bahraich	421.22	252.73	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		Technology support	454.40	272.64									
2	SCERT,UP	Equipments for SCERT, UP	20.00	12.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		SCERT Extension	494.00	296.40	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		Special Cell	50.00	30.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		Total	**9889.42**	**5933.65**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
		Grand Total -	**19393.45**	**11636.07**	**-1321.33**	**1450.00**	**128.67**	**85.78**	**214.45**	**5424.86**	**-2505.90**	**2169.94**	**5424.86**

सामाजिक विषय
शिक्षक–प्रशिक्षण मॉड्यूल

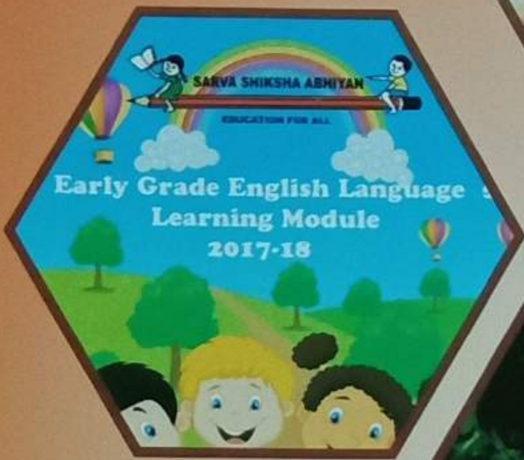
SARVA SHIKSHA ABHIYAN
EDUCATION FOR ALL
Early Grade English Language
Learning Module
2017-18

कला/क्राफ्ट, पपेट एवं
संगीत
प्रशिक्षण मॉड्यूल
2016–17

मूल्यबोध एवं नैतिकता पर पाठ्यपुस्तक आधारित प्रशिक्षण साहित्य

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
पर्यावरण अध्ययन प्रशिक्षण मॉड्यूल
(कक्षा 3 से 5)

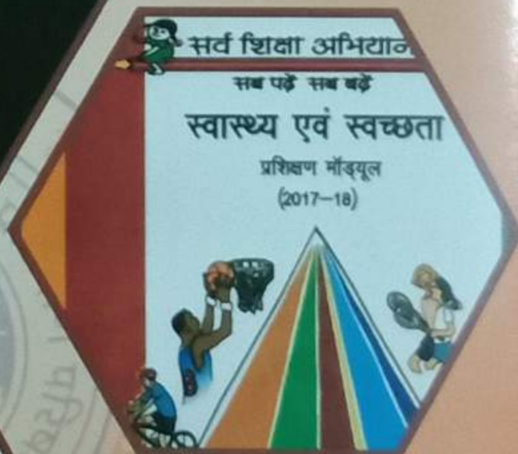
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
स्वास्थ्य एवं स्वच्छता
प्रशिक्षण मॉड्यूल
(2017–18)

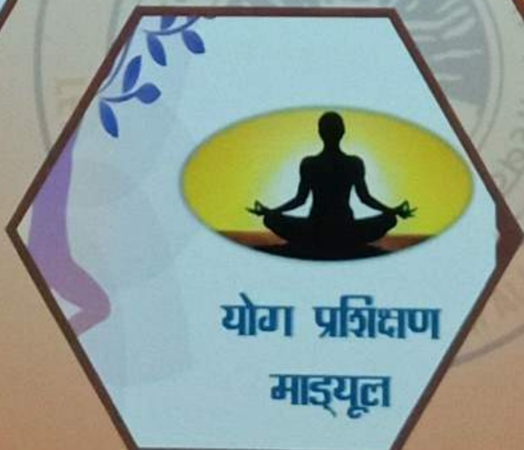
योग प्रशिक्षण
माड्यूल